जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 30 जून, 2024

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

समृद्ध किसान - खुशहाल राजस्थान

राजस्थान सरकार की ऐतिहासिक पहल

65 लाख से अधिक किसानों को

₹650 करोड़

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का

शुभारंभ समारोह

30 जून, 2024 को दोपहर 12:00 बजे

स्थान : कृषि उपज मंडी प्रांगण, टोंक

₹2000 की अतिरिक्त सहायता में से किसानों को
₹1000 की पहली किश्त उनके बैंक खाते में डायरेक्ट ट्रांसफर

-: मुख्य अतिथि :-
श्री भजन लाल शर्मा
मुख्यमंत्री

-: विशिष्ट अतिथि :-

श्री गौतम कुमार दक
सहकारिता राज्य मंत्री
(स्वतंत्र प्रभार)

श्री किरोड़ी लाल मीणा
कृषि एवं ग्रामीण
विकास मंत्री

श्री कन्हैया लाल चौधरी
जन स्वास्थ्य एवं
अभियान्त्रिकी मंत्री

वेबकास्ट पर लाइव देखें

किसानों को सशक्त, समृद्ध एवं उन्नतशील
बनाने के लिए सदैव समर्पित है प्रदेश सरकार

यूट्यूब पर लाइव देखें

राजस्थान संवाद

सहकारिता विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

घर का मोह कायरता का दूसरा नाम है। –अज्ञात

प्राकृतिक जलवायु समाधान हेतु स्थानीय ज्ञान का योगदान

समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और विशाल भौगोलिक विस्तार ने भारत में स्थानीय ज्ञानऔर संसाधन प्रबंध की विविधता को बढ़ावा दिया है। विशेषकर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले समुदायों का अनोखा ज्ञान और स्थानीय संसाधन प्रबंध की असंख्य विधियां हैं जो स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के साथ गहराई से जुड़ी हुई हैं। मेरी अपनी यात्रा मध्य प्रदेश के एक छोटे से ऐसे गाँव सेप्रारंभ हुईजो बहुत व्यापक भू-सांस्कृतिक परिदृश्य के बीच बसा है। असल में यह वनों, तालाबों, खेतों और नदी जैसे प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों से घिरा गाँव है। बचपन से मैंने उन पारंपरिक प्रथाओं और ज्ञान कोजिया है जो पीढ़ियों से हमारे समाज का हिस्सा रही हैं। इनमें हमारे जीवन और आजीविका को संबल देने वाली फसलों के साथ-साथ खेतों में विविध प्रजातियों के वृक्ष और नरो पहाड़ के भीतर संरक्षित अनेक देव-वन शामिल हैं। जटिल पारिस्थितिक तंत्रों के साथ हमारे इस शुरुआती रिश्ते ने पारंपरिक ज्ञान, समकालीन विज्ञान और अनुभवजन्यज्ञान के एकीकृत दृष्टिकोणको समझने का रास्ता दिया और पर्यावरण संरक्षण के लिएमेरे मानस-पटलपर आजीवन समर्पण की नींव रखी। मुझे बचपन के वे दृश्य अभी भी ठीक से याद हैंजब हम अपने गांव के आम और महुआ के बगीचों के नीचे संगी-साथियों के सानिध्य में गर्मी की दोपहर बिता देते थे।उस समय का अनुभव और पीढ़ियों से मिला स्थानीय ज्ञान आज और अधिक मूल्यवान और प्रासंगिक हो गया है।आज की चर्चा प्राकृतिक जलवायु समाधान के सन्दर्भ में स्थानीय ज्ञान के उपयोग पर है।

प्राकृतिक जलवायु समाधान (नेचुरल क्लाइमेट सोल्यूशन) में भूमि प्रबंधन, संरक्षण और पुनर्स्थापन के सभी कार्य शामिल हैं जो कार्बन भंडारण को बढ़ाते हैं या पूरे परिदृश्य में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कमकरते हैं। इनमें वन, खेती, घास के मैदान,आर्द्रभूमि और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र सभी शामिल हैं। प्राकृतिक जलवायु समाधान अब अपरिहार्य हो गए हैं क्योंकि वे पारिस्थितिक, आर्थिक और सामाजिक लाभ प्रदान करने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से निपटने के मार्ग प्रदान करते हैं। पेरिस समझौते द्वारा निर्धारित लक्ष्य, ग्लोबल वार्मिंग को 2डिठाी सेल्सियस से नीचे स्थिर करने के लिए प्राकृतिक जलवायु समाधान,वर्ष 2030 तक लागत-प्रभावी जलवायु शमन के उपायों का एक तिहाई हिस्सा प्रदान करते हैं। स्थानीय ज्ञान, जिसे इंडिजीनस नॉलेज भी कहा जाता है,वह ज्ञान है जो सदियों से स्थानीय समुदायों द्वारा उनके पर्यावरण और संसाधनों के साथ उनके अनुभवों के आधार पर विकसित किया गया है। यह ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक रूप से या देखने-सुनने के माध्यम से आगे जाता है। यह ज्ञान उनकी सांस्कृतिक परंपराओं,रीति-रिवाजों, बोलियों-भाषाओं,धार्मिक विश्वासों,और सामाजिक संबंधों में निहित होता है। स्थानीय ज्ञान में पर्यावरण प्रबंधन,खाद्य उत्पादन,चिकित्सा,कृषि,जलवायु परिवर्तन अनुकूलन,और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने कीस्थानीय-विशेषज्ञता भी शामिल होती है। पर्यावरणीय परिस्थितियों में बदलावके प्रति अनुकूलन क्षमता,सामूहिक सामाजिक स्मृति, प्रकृति और दैनिक क्रियाकलापका परस्पर जुड़ावआदि विभिन्न पहलुओं केसाथ इंडिजीनस नॉलेज वस्तुतः एकाकार रहता है। पर्यावरण के सन्दर्भ में सदियों से पीढ़ियों के जुड़ाव व व्यवहारके माध्यम से उत्पन्नस्थानीय ज्ञान और क्रिया-कलाप ठीक वैसे ही हैं जिन्हेंसमकालीन विज्ञान प्राकृतिक जलवायु समाधान कहता है। स्थानीय समुदायों के पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे ये तमाम क्रिया-कलाप स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्रों के प्रबंध, सतत भूमि उपयोग,जैव-विविधता संरक्षण और आजीविका में बेहतरी की गहरी समझ के उदाहरण हैं।

प्राकृतिक जलवायु समाधान पर समकालीन वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ पारंपरिक ज्ञान को एकीकृत करने से जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन प्रयासों की प्रभावशीलता बढ़ सकती है। जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का ह्रास और स्थानीय आजीविका पर आसन्न संकट जैसी समकालीन पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं को अपनाया और बढ़ाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, पारंपरिक कृषि-वानिकी एक ऐसे मॉडल के रूप में अपनाईजा सकती है जो फसल की पैदावार को बनाए रखते हुए खेती की जमीन में कार्बन संचय को बढ़ा सकती है। इसी प्रकार पारंपरिक जल संरक्षण की विधियां आर्द्रभूमि केपुनर्स्थापन और बाढ़ के प्रबंधन में मददगार हो सकती हैं।इनके परिणामस्वरूप कार्बन संचय और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के प्रति स्थानीयसमाज का लचीलापन या रेजीलिएंस दोनों हे बेहतर हो सकते हैं।

पारंपरिक ज्ञान और प्राकृतिक जलवायु समाधान पर हो रही शोध के मध्यसामंजस्यबैठाकर जैव-विविधता हानि, जलवायु परिवर्तन और आजीविका के संकटों से निपटने के लिए एक ठोस दृष्टिकोण विकसितकिया जा सकता है। दीर्घकाल से खरी उतरी रणनीतियों और स्थानीय ज्ञान को प्राकृतिक जलवायु समाधान रणनीतियों में शामिल करसमकालीन पर्यावरणीय चुनौतियों के लिए नवाचारी औरसांस्कृतिक रूप से उपयुक्त समाधान विकसित कर सकते हैं। यह एकीकरण न केवल स्थानीय समुदायों के ज्ञान का सम्मान करता है,बल्कि जलवायु परिवर्तन को कम करने और अनुकूलित करने के वैश्विक प्रयासों को भी मजबूत करता है।इसके परिणामस्वरूप सतत और लचीले भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है।

इसी प्रकार पारंपरिक जल संरक्षण की विधियां आर्द्रभूमि केपुनर्स्थापन और बाढ़ के प्रबंधन में मददगार हो सकती हैं।इनके परिणामस्वरूप कार्बन संचय और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के प्रति स्थानीयसमाज का लचीलापन या रेजीलिएंस दोनों हे बेहतर हो सकते हैं।

विश्व-प्रसिद्ध पत्रिका, साइंस के संपादकीय में कहा गया है कि व्हाइट हाउस सहित प्रमुख संस्थानों ने अनुसंधान,नीति निर्धारण और भूमि प्रबंधन ढांचे में स्थानीय ज्ञान को शामिल करना उपयोगी माना है।यह अधिक समावेशी पर्यावरणीय रणनीतियों की ओर एक आदर्श बदलाव का संकेत देता है। सेंटर फॉर ब्रेडिंग इंडिजिनस नॉलेज एंड साइंस (सीबीआईकेएस) जैसी संस्थाओं की स्थापना सेस्थानीयज्ञान और पश्चिमी वैज्ञानिक विषयों को एकीकृत करने की दिशा में अनुसंधान को बढ़ावामिला है। इन प्रयासों का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन,खाद्य असुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान आदि विषयों और समस्याओं को एक ऐसे एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से हल करना है जो ज्ञान की विविधता पर निर्भर है।

रोजमर्रा की समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने हेतु वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि के साथ स्थानीय ज्ञान कीमदद से स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ना आवश्यक है। लेकिन उनसे केवल ज्ञान निकलवाकर उन्हें किनारे कर देने जैसी विधियों से नहीं बल्कि उनके अधिकारों और योगदान को साथ रखना चाहिए। ऐसा सम्मानजनक दृष्टिकोण सभी प्रकार के ज्ञान को अधिक प्रासंगिक और स्वीकार्य बनाता है और सामाजिक न्याय और आत्मनिर्णय को भी बढ़ावा देता है। भारत के विविध पारिस्थितिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में, स्थानीय ज्ञान और क्रियाकलाप प्राकृतिक जलवायु चुनौतियों के लिए प्रभावी समाधान प्रदान करते हैं। घरेलू बागवानी, कृषि-वानिकी से लेकर देववनों की सुरक्षा आदि जैव-विविधता, कार्बन संचय,जल-प्रबंधन और मिट्टी कीबेहतरी में योगदान करती हैं। उदाहरण के लिए ग्राामीण क्षेत्रों में घरेलू बगीचे केवल भोजन के स्त्रोत नहीं हैं। वे जैव-विविधता का संरक्षण, परागण में मदद, वायु की गुणवत्ता में सुधार, और माइक्रॉक्लाइमेट को बेहतर करते हैं। कार्बन भंडारण में महत्वपूर्ण योगदान तो देते ही हैं।

दूसरा उदाहरण कृषि-वानिकी का है।खेतों में खेती के साथ पेड़ों को उगानाइसलिए उपयोगी है क्योंकि यह अधिक विविध,उत्पादक और टिकाऊ भूमि-उपयोग प्रणाली के साथ कृषि कोमदद करता है। कृषि-वानिकी प्रणालियों में खेतों में कुओं के आसपास वृक्ष और आम,महुआ आदि के बगीचे भी शामिल हैं जो मिट्टी को समृद्ध करते हैं, वन्यजीवों के लिए आवास भी प्रदान करते हैं, और भू-परिदृश्य में कनेक्टिविटी और पारिस्थितिक संतुलन में योगदान करते हैं।

ऐसे अनेक उदाहरण हैं और सबका वर्णन यहाँ संभव नहीं है। यह समझना आवश्यक है कि ये स्थानीय प्रथाएं सामूहिक रूप से पर्यावरणीय स्थिरता के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं। ये सभी विभिन्न प्रजातियों की विविधता के मध्य अंतर्संबंध और पारिस्थितिक तंत्र की अखंडता को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हैं। इन स्थानीय प्रथाओं को समकालीन विज्ञान के साथ एकीकृत करकेभारत पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए अपने पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान की शक्ति का उपयोग कर सकता है। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और संरक्षण संगठनों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने से ज्ञान के आदान-प्रदान और सांस्कृतिक और पर्यावरण की दृष्टि से उपयुक्त नवीन समाधानों के साझा-उत्पादन और साझा-संश्लेषण किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, द नेचर कंजरवेंसी द्वारा समर्थित और टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज द्वारासंचालित "भारत में प्राकृतिक जलवायु समाधानों पर ज्ञान और प्रशिक्षण कार्यक्रम" वैज्ञानिक ज्ञान, स्थानीय ज्ञान और अनुभवजन्य ज्ञान के एकीकरण पर आधारित है। भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के लक्ष्योंकी प्राप्ति को सुगम बनाने के लिए अभी तक हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, झारखंड और मेघालय में राज्य गोलमेज सम्मेलन आयोजित किए गए हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदत्त ज्ञान से भारत में वर्ष 2030 तक 2.5 से 3 बिलियन टन अतिरिक्त कार्बन को संचित करने केलक्ष्यको पूरा करने में मदद मिल रही है।

अंत में पुनः व्यक्तिगत बात की जाये तो गाँव में मेरे उन प्रारंभिक दिनों के बाद से अब तक कई साल बीत चुके हैं, और मेरी यात्रा मुझे प्रकृति में रहने वाले एक ग्रामीण की भूमिका से एक वनपाल, वैज्ञानिक और प्राकृतिक जलवायु समाधानों पर वैज्ञानिक की भूमिका तक ले आयी है। अपने पूरे कैरियर के दौरानमुझे अपने बचपन में प्राप्त पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान को वैज्ञानिक अनुसंधान और से एकीकृत करने और जमीनी स्तर पर काम से जोड़ने का सौभाग्य मिला है। बिगड़े पारिस्थितिकी तंत्रों को पुनर्स्थापित करने से लेकर कृषिवानिकी आदि को बढ़ावा देने और देववनों की रक्षा करने आदि के लिए मैंने बेहतर भू-परिदृश्य विकसित करने के लिए समकालीन विज्ञान के साथ हमारे समुदायों के ज्ञान को जोड़ने का प्रयास किया है। देश भर में प्राकृतिक जलवायु समाधानों को आगे बढ़ाने का प्रयास हमारी टीम कर रही है, उस कार्य में वर्षों से अर्जित अनुभव के साथ विज्ञान और स्थानीय ज्ञान का बराबर योगदान है। इस प्रयास में टीएनसी के डॉ. सुदीप्तो चटर्जी, डॉ. सुशील सहगल, डॉ. श्वेता सिंह और टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के प्रोफेसर शालीन सिंघल की भूमिका अति-महत्वपूर्ण है। ज्ञान के एकीकरण से नीति और क्रियान्वयन दोनों स्तरों पर कार्यक्रम का गहरा प्रभाव रहा है, जिससे देश भर में नेचुरल क्लाइमेट सोल्यूशन से जुड़ी रणनीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

डॉ. दीपनारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)।

अवैध निर्माण क्या होता है?

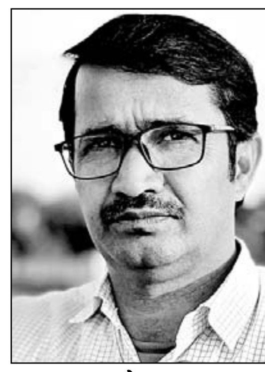

रामगोपाल जाट

आजकल जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्वाचन क्षेत्र सांगानेर में सड़कें चौड़ी करने के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण तोड़े जा रहे हैं। पहले न्यू सांगानेर रोड से वंदे मातरम् सर्किल तक सड़क के दोनों ओर से निर्माण तोड़कर उसे 100 फीट किया गया। इसके बाद बुधवार से न्यू सांगानेर रोड को भी 200 फीट करने के लिए सड़क के पश्चिमी दिशा में बने निर्माण तोड़े जा रहे हैं। दोनों सड़कों में एक बात कॉमन है, कि प्रशासन ने दोनों सड़कों के जिस निर्माण को तोड़ा है, उसे अवैध निर्माण करार दिया है। अवैध! यानी जिसको जेडीए के मना करने के बावजूद बना दिया गया हो, या जेडीए से अनुमति लिए बिना बनाया गया हो। किंतु यहां मामला अलग ही है। जयपुर विकास प्राधिकरण इस कार्रवाई को अंजाम दे रहा है। प्रशासन का कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद न्यू सांगानेर रोड को चौड़ा किया जा रहा है, जबकि सेक्टर प्लान में भी सड़क को लेकर दो-तीन बदलाव हो चुके हैं। इस सड़क पर कुछ बड़े मामले भी हैं, जिनका जिक्र करना जरूरी नहीं है, यहां सब लोग जानते हैं। हालांकि, कोर्ट का आदेश करीब 3 साल पहले का है, जिसकी पालना पिछली अशोक गहलोत सरकार को करनी थी, लेकिन वोट बैंक को देखते हुए नहीं की गई। पिछली सरकार में कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज ने इस निर्माण को बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। हालांकि, वो सांगानेर से जीत नहीं पाए। अब इसकी पालना खुद सांगानेर के विधायक भजनलाल शर्मा के सीएम बनने के बाद किया जा रहा है।

यहां जिनकी दुकानें और निर्माण टूट रहा है, उसमें दो गुट बने हुए हैं। एक गुट सीएम के पास जाकर निर्माण तोड़ने की कार्रवाई पर उनका स्वागत कर रहा है तो दूसरा गुट मुआवजे की मांग कर रहा है। अवैध निर्माण की परिभाषा जेडीए के वो अधिकारी भी नहीं बता पा रहे हैं, जो इस कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं। वैसे तो कोटर्स के आदेश की पालना सरकारें कितनी तत्परता से करती हैं, यह बताने की आवश्यकता नहीं है, किंतु जिस तरह की कार्रवाई न्यू सांगानेर रोड और उससे पहले वंदे भारत को जोड़ने वाली 100 फीट रोड के निर्माण को तोड़ने में हुई, वो वाकई प्रश्न खड़े करने वाली है। दो-तीन दशक से खड़े निर्माण को अवैध बताकर तोड़ दिया जाता है। निर्माण होते समय जेडीए के अधिकारी सोते रहते हैं या हिस्सेदारी लेने में व्यस्त रहते हैं, लेकिन जब ऊपर से डंडा पड़ता है, तब उसी निर्माण को अवैध बताकर तोड़ने पहुंच जाते हैं।

न्यू सांगानेर रोड पर निर्माण वाले दो गुट हो गए हैं, जिनके अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। एक पक्ष, जो निर्माण तोड़ने के पक्ष में है, उसकी जमीनें टूटने वाली दुकानों के बिलकुल पीछे आ रही हैं, जो सड़क वाली दुकानों के टूटते ही मुख्य 200 फीट सड़क पर आ जाएंगी। कुछ की एक दुकान टूट रही है और पीछे प्लाट में चार-छः दुकाने बनने वाली हैं। इसके विपरीत जिनकी अभी सड़क पर एक या दो दुकानें हैं, लेकिन उनके टूटने पर पीछे जमीन नहीं बचती है, वो दुखी हैं, वो चाहते हैं कि सरकार इस सड़क को जैसे 250 से 200 कर चुकी है, वैसे ही 200 से 180 फीट ही रख दे। यदि तोड़ना ही चाहती है तो पीड़ितों को उचित मुआवजा दे। बात सही भी है! किसी ने 5, 10 या 15 साल पहले व्यापार करने के उद्देश्य से 10, 20, 30, 40 लाख रुपये की दुकान खरीदी थी, आज प्रशासन की मनमानी के कारण उनके जीवन भर की पूंजी बर्बाद हो रही है। कोई बताए उनका दोष ही क्या है? क्या दुकानें बनाने या खरीदने से किसी को रोका गया? क्या जेडीए ने ऐसा कोई आदेश निकाला था कि जो भी यहां पर दुकानें बनाएगा या खरीदेगा, टूटने पर नुकसान का स्वयं जिम्मेदार होगा?

जेडीए अधिकारी यह नहीं बता पाते हैं कि अतिक्रमण, निर्माण और अवैध निर्माण में अंतर क्या है? असल बात यह है कि जब निर्माण हो रहा होता है, तब जेडीए अधिकारियों को हिस्सेदारी के कारण होश ही नहीं होता है। अधिकारी मौके पर जाते हैं, अपना हिस्सा लेकर निर्माण करवा देते हैं। शहर में खुलेआम लोग इस बात का दावा करते हैं कि फंला अधिकारी आया था और इतने पैसे लेकर मामला रफा-दफा कर गया, अब उनको निर्माण से कोई नहीं रोकेगा। कितने आश्चर्य की बात है कि जिनको शहर का प्रहरी बनाया जाता है, जिनके उपर अवैध निर्माण रोकने की जिम्मेदारी होती है, वो ही हिस्सा लेकर धड़ल्ले से अवैध निर्माण करवा देते हैं।

न्यू सांगानेर रोड का मास्टर प्लान 2011 में बना, लेकिन यहां दुकानें तो 40 से 45 साल पहले बन चुकी थीं। ऐसे में दुकान वालों का दोष क्या है? यदि ये दुकानें अवैध थीं तो इनको तब बनने क्यों दिया? यदि बन गई थीं, तो चार दशक तक तोड़ा क्यों नहीं? और अब तोड़ रहे हैं तो उनको मुआवजा क्यों नहीं दिया जा रहा? यदि कोर्ट के आदेश की बात करें तो मध्यम मार्ग पर अवैध निर्माण तोड़ने के हाईकोर्ट के आदेश की पालना क्यों नहीं हो रही है? न्यू सांगानेर रोड पुलिया से लेकर डिग्गी रोड पर टूटी पुलिया तक सड़क बनाने का हाईकोर्ट का आदेश किस अलमारी में पड़ा है? इसका प्रशासन के पास कोई जवाब नहीं है। मानसरोवर बसाया गया, तब मध्यम मार्ग पर आवासीय भूखंड आवंटित हुए थे, बाद में कुछ के वाणिज्यिक उपयोग हेतु लैंड यूज चेंज करवा लिया गया, लेकिन उससे कई गुणा अधिक आवासीय परिसरों में ही कारोबार किया जा रहा है। कोर्ट का आदेश पड़ा है कि इनको तोड़ा जाए, लेकिन जेडीए नींद में सो रहा है, उसको कोर्ट का आदेश दिखाई नहीं देता है। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के ऐसे दर्जनों आदेश जाने जेडीए के किस कमरे की किस अलमारी में धूल फांक रहे हैं, जिनकी सुध लेने का किसी के पास समय नहीं है। क्योंकि जिम्मेदार अधिकारियों के पास इसके अलावा भी बहुत इम्पोर्टेंट काम हैं, जिसको हर दिन अंजाम दिया जा रहा है। जेडीए अधिकारी बताएं, जयपुर के किस कोने की किस जोन में अवैध निर्माण नहीं है या हो रहा है? जेडीसी को भी पता होता है और जोन आयुक्त को तो सब पता होता ही है, लेकिन सब आंखें मूंदकर बैठे हैं।

न्यायालय की बात करें तो रामगढ़ बांध के अवैध निर्माण हटाने के आदेशों का क्या हुआ? क्या कोई अधिकारी, मंत्री या मुख्यमंत्री इसका जवाब दे सकता है? कोई नहीं देगा और ना ही कोई इनका जवाब देना चाहता है! कभी जयपुर की लाइफ लाइन रहा रामगढ़ बरसों से सूख पड़ा है, इसे पुनर्जिवित करने के लिए अखबार लिख-लिखकर थक चुके हैं, जनता प्रशासन से मांग करके हार गई है, लेकिन सरकार के कान पर जूं नहीं रेंगती है। किसे पता नहीं है कि रामगढ़ के कैचमेंट एरिया में कितने अधिकारियों के अवैध फार्म हाउस नहीं बन हैं। जब अधिकारी ही अवैध कब्जा करके बैठे हैं तो फिर कार्रवाई की उम्मीद किससे की जाए? अलबत्ता तो जो अधिकारी अवैध निर्माण करवा रहा है, या उसके क्षेत्र में हो रहा है, उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए, जिम्मेदार तय कर उसके पद से बर्खास्त किया जाए, उसके खिलाफ कानून की कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी संपत्ति जब्त करनी चाहिए, ताकि अन्य अधिकारियों को सबक मिले। जब तक अधिकारियों पर कार्यवाही नहीं होगी, तब तक इन छोटी-मोटी कार्रवाई से कुछ नहीं होने वाला है। फिर बनेंगे, फिर टूटेंगे, फिर बनेंगे और यह सिलसिला चलता रहेगा।

जब सीएम भजनलाल शर्मा के निर्वाचन क्षेत्र में इतना बड़ा निर्माण तोड़ा जा रहा है, तो प्रश्न खड़े होंगे ही। प्रश्न खड़े होंगे तो शासन को जवाब देना होगा, किंतु इन प्रश्नों से बचने के लिए आजकल मीडिया का यूज किया जाता है। अपने बचाव के लिए सरकारों द्वारा मीडिया का एक ठ्ाुप तैयार कर लिया गया है, जो दिन रात केवल सरकार को बचाने का काम ही करता है। संविधान के तीन खंबों के बाद सर्वाधिक जिम्मेदार पत्रकार होते हैं, लेकिन मीडिया संस्थान उनके हाथ बांधकर युद्ध के मैदान में उतार देते हैं। नतीजा यह होता है कि जो शासन कहता है, वही रिपोर्टर लिखते रहते हैं। पिछले कुछ बरसों में पत्रकारों ने खुद के दिगाम का इस्तेमाल तो जैसे बंद ही कर दिया है। किसी खबर को लेकर न कोई खोजबीन करना चाहता है, न उसकी गहराई में जाकर मामले की जांच चाहता है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है, परिणाम यह होता है कि जेडीए अधिकारी यदि किसी वैध निर्माण को भी अवैध बोलकर तोड़ते हैं तो मीडिया उसको अवैध बताकर ही आमजन को परोस देता है। एक नैरेटिव बनाया जाता है कि तोड़ा गया निर्माण अवैध ही था। पत्रकार जब किसी विषय को समझने, उसके शोध करने की क्षमता खो देता है, तो समझ लिजिए कि सरकारों को कुछ भी करने की जरूरत नहीं रह गई है। खबरों को तब तक नहीं छापा जाता था, जब तक उचित तथ्य नहीं होते थे, आजकल प्रशासन बता देता है, उसी को मीडियाकर्मी अपने संस्थान को लिखकर दे देता है और उसे ही मीडिया संस्थान जनता को परोस देता है। पत्रकारों का जब उचित प्रशिक्षण नहीं होता है, तब प्रशासन भारी होने लगता है। अधिकारी जो बोलते हैं, वही रिपोर्टर लिखने लगता है। आजकल यह एक परंपरा बन गई है कि प्रशासनिक और पुलिस के अधिकारी जो बता देते हैं, पत्रकार उसी को सच मानकर खबर बना देता है, जबकि उसे घटना की तह तक जाकर खबर लिखनी चाहिए।

–रामगोपाल जाट,
वरिष्ठ पत्रकार

मोतीपुर ग्राम पंचायत में महिला एवं पुरुषों ने 200 पौधे लगाये

सभी ने पौधों के चारों और तारबंदी कर पौधों की सुरक्षा का जिम्मा लिया

आसीन्द, (निसं)। पंचायत समिति क्षेत्र के मोतीपुर ग्राम पंचायत क्षेत्र में शनिवार को सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुषों ने 200 से अधिक पौधे लगाए और चारों और तारबंदी कर पौधों की सुरक्षा का जिम्मा लिया।

आसींद क्षेत्र में पेड़ों की अवैध कटाई के चलते इस वर्ष सबसे अधिक तापमान जिले में आसींद में दर्ज किया गया एवं लगातार पेड़ काटने के चलते आसींद सेक्टर में बारिश औसत घटता जा रहा है। अब लोगों में धीरे-धीरे जागरूकता फैलने लगी है, वहीं इसी कड़ी में शनिवार को मोतीपुर में सघन पौधारोपण अभियान का शुभाआरंभ किया गया। पौधारोपण उप सरपंच विनोद मेवाड़ा एवं समाजसेवी ओमप्रकाश जाट के नेतृत्व में महिला एवं पुरुषों ने उत्साह के साथ पौधारोपण किया। इस मौके पर सचिव कुंदनमल शर्मा, हरफूल रायका, घनश्याम वैष्णव, बाबू रायका, नानूराम भील, सेना रायका, सोहन बैरवा, जगदीश मेवाड़ा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। वहीं जिस जगह पौधारोपण किया गया उसे पौधों का सार संभाल ग्राम पंचायत के सहयोग में ग्रामीण भी भागीदारी निभाएंगे।

- **मोतीपुर ग्राम पंचायत में सघन पौधारोपण अभियान के तहत महिला एवं पुरुषों ने उत्साह के साथ पौधारोपण किया**

सरपंच एवं पंचायत समिति सदस्य ने बताया कि गांव में पौधारोपण के प्रति लोगों को उत्साह देखा गया। सम्पूर्ण पंचायत को हरा भरा करने के लक्ष्य से पौधारोपण करने के दौरान महिला एवं पुरुषों में खासा उत्साह दिखाई दिया।

मोतीपुर ग्राम के लोगों ने पौधे लगाकर सार-संभाल की जिममेदारी ली।

ग्रामीणों के विरोध के बाद भी मीणा की नांगल में भारी ब्लास्टिंग जारी

पाटन, (निसं)। हरियाणा बॉर्डर पर बसे गांव मीणा की नांगल में ग्रामीणों के विरोध के बाद भी भारी ब्लास्टिंग से खनन कार्य किया जा रहा है। ऐसे में मीना की नांगल के लोग दहशत के साए में जीने को मजबूर हैं। एक तरफ सरकार धूल-धूंआ भारी ब्लास्टिंग पर शिकंजा कस रही है।

- **लोग दहशत के साए में जीने को मजबूर**

वहीं खनन कारोबार से जुड़े लोग भारी ब्लास्टिंग कर सरकार के कानून कायदों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि मानसून आ चुका है। खेतों में बुवाई-जुताई का कार्य शुरू हो चुका है, परंतु खदान नंबर 295/05 के मालिक कालूराम गुर्जर आईआर मशीन से गहरे होल बनाकर उसमें विस्फोटक सामग्री डालकर भारी ब्लास्टिंग करते हैं, ऐसे में खदान से पत्थर के टुकड़े उड़कर उपजाऊ भूमि में गिरते हैं, जिससे उपजाऊ भूमि बंजर होती हुई जा रही है। भारी ब्लास्टिंग के चलते क्षेत्र का जल स्तर भी काफी गहरा होता जा रहा है जिस कारण पीने की समस्या भी गंभीर खड़ी हो गई है।

विस्फोटक सामग्री भी खदान में खुले में पड़ी रहती है, खदान से पत्थरों से भरे हुए डंपर गांव के अंदर से निकलते हैं। जिसके चलते आए दिन दुर्घटनाओं को अंदेशा बना रहता है। स्थानीय प्रशासन को अनेकों बार अवगत करवाया गया परंतु स्थानीय प्रशासन भी राजनेताओं के दबाव के कारण कोई कार्रवाई नहीं करता जिसके चलते लोगों का जीना दुभर हो रहा है।

राशिफल रविवार 30 जून, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, रेवती नक्षत्र प्रातः 7:34 तक, अतिगंड योग सांय 4:14 तक, गर करण दिन 12:20 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 7:34 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 7:34 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 11:23 से आरम्भ होगी। पंचक प्रातः 7:34 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:22 से 9:05 तक, लाभ-अमृत 9:05 से 12:30 तक, शुभ 2:13 से 3:55 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:20

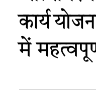

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

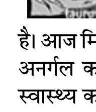

वृष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

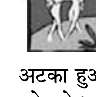

मिथुन

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं।

कर्क

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आज घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

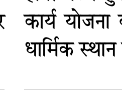

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

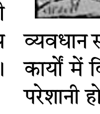

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

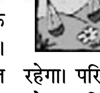

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

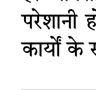

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

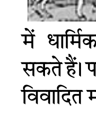

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में आज उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

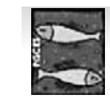

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 30 जून, 2024

GROW WITH INDIA INVEST WITH KEDIA

आज मध्यरात्रि से 1 लाख महँगी मिलेगी कोठी !

दिवाली तक 15 लाख रेट बढ़ेगी

जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	दिवाली पर	
1 लाख	+ 2 लाख	+ 3 लाख	+ 4 लाख	+ 5 लाख	= 15 लाख

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज				
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	58.95 LACS	65.70 LACS	72 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	65.50 LACS	73.00 LACS	80 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	72.05 LACS	80.30 LACS	88 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	78.60 LACS	87.60 LACS	96 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	91.70 LACS	102.20 LACS	112 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	131.00 LACS	146.00 LACS	160 LACS	50,000

गिनती की कुछ कोठी बची हैं !

FIXED PRICE GUARANTEED
ASSET GROWTH GUARANTEED
NO MIDDLE-MEN

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

डमी अभ्यर्थी बैठाकर नौकरी दिलवाने वाला बिचौलिया व शिक्षिका गिरफ्तार

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए फर्जीवाडे के खुलासे में हुई कार्रवाई

बांसवाड़ा, (निसं)। तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए फर्जीवाडे के खुलासे में पुलिस ने एक बिचौलिया, शिक्षिका व उसके पति को गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक दस आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जानकारी के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा शफब अंजुम ने पुलिस थाना सज्जनगढ़, सल्लोपाट एवं कुशलगढ़ में डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलवाकर शिक्षक की नौकरी हासिल करने वाले आरोपी शिक्षकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कराये थे। पुलिस महानिरीक्षक एस. परिमला एवं पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में एएसपी डॉ. राजेश भारद्वाज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धनफूल मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। इस मामले में पुलिस ने बिचौलिये सेवालाल पुत्र किका भाबोर निवासी हांडी पुलिस थाना सल्लोपाट एवं सविता पत्नी प्रवीण मालवीया निवासी तिलक नगर प्रतापगढ़ हाल शास्त्री नगर हाऊसिंग बोर्ड एवं उसके पति प्रवीण पुत्र हीरालाल मालवीया निवासी तिलक नगर प्रतापगढ़ हाल शास्त्री नगर हाऊसिंग बोर्ड बांसवाड़ा को गिरफ्तार किया।

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में फर्जीवाड़े में दो को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि बिचौलिया सेवालाल स्थानीय अभ्यर्थी से संपर्क कर उनसे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षा दिये बिना ही पास करवाकर नौकरी दिलवाने के लिये मोटी रकम लेकर स्थानीय अभ्यर्थी के स्थान पर जालौर के भीनमाल एवं पश्चिमी राजस्थान के अन्य जिलों के डमी अभ्यर्थियों को बैठाने वाले सरगनाओं से संपर्क कर मूल अभ्यर्थी के आवेदन पत्रों में मूल अभ्यर्थी के फोटो के स्थान पर डमी अभ्यर्थी के फोटो लगवाकर, मूल अभ्यर्थी के गृह जिले के स्थान पर अन्य गृह जिले को भरकर परीक्षा केन्द्र पर डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलवाता था। इस बिचौलिये ने प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती 2022 व सूचना सहायक भर्ती 2018 की परीक्षा व अन्य विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षा पास करवाकर सरकारी नौकरियां दिलवाई।

- मामले में अब तक दस आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है

अग्रवाला ने बताया कि अब तक पुलिस थाना सज्जनगढ़ में दो प्रकरण में आरोपी शिक्षक बादर व सूचना सहायक मुकेश, थाना सल्लोपाट में आरोपी शिक्षक महेन्द्र व महेश, थाना कुशलगढ़ में शिक्षिका गीता व अनुप डोडियार, सविता तथा उसके पति प्रवीण मालवीया तथा कसारवाड़ी में देवीलाल के साथ ही थाना सल्लोपाट के प्रकरण में बिचौलिये सेवालाल को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम में वृत्ताधिकारी बागीदौरा विनय चौधरी, कुशलगढ़ वृत्ताधिकारी शिवन्या सिंह, थानाधिकारी कुशलगढ़ सवाई सिंह व थानाधिकारी सल्लोपाट देवीलाल शामिल रहे।

जीजा की हत्या का आरोपी दिल्ली पुलिस का जवान गिरफ्तार

जीजा का मर्डर करने के लिए बहन के ससुराल गया था

चूरू, (कासं)। हरियाणा के चरखी दादरी में बहन के ससुराल में फायरिंग और मर्डर कर भागे दिल्ली पुलिस के जवान को रतननगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डीएसटी और रतननगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मर्डर के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से एक अत्याधुनिक एमपी-5 हथियार भी जब्त किया है।

- पुलिस ने आरोपी के पास से एक एमपी-5 हथियार भी जब्त किया
- आरोपी की अपने जीजा के साथ किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी
- आरोपी की ओर से की गई फायरिंग में बहन के दादा ससुर की मौत हो गई थी

एसपी जय यादव ने बताया कि शुक्रवार दोपहर डीएसटी से सूचना मिली कि सूरतपुरा गांव में एक व्यक्ति बड़े बैग में हथियार लेकर घूम रहा है, जो गांव के लोगों से वाई-फाई लेकर मोबाइल से कहीं कॉल कर रहा है। सूचना मिलने के बाद डीएसटी और रतननगर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को घेर लिया। सूरतपुरा और जुहारपुरा के बीच रेलवे पुलिया के पास मर्डर के आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने युवक को धर दबोचा, जिसके पास से एक एमपी-5 हथियार भी जब्त किया गया है।

एसपी जय यादव ने बताया कि प्राथमिक पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गोकलवास बाढ़ा चरखी दादरी हरियाणा निवासी साकेत शर्मा (27) बताया। जिसने बताया कि वह दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल है। वर्तमान में वह 7 जी बटालियन मालवीय नगर दिल्ली में पोस्टेड है। उसकी बहन की शादी ग्राम बसौला चरखी दादरी में हुई थी। अपने जीजा रजत के साथ किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी। वह जिसको मारने के लिए अपनी बहन के घर बसौला चरखी दादरी में गया था, जहां उसने एमपी-5 से 34 राउंड फायर किए। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हैं। वारदात को अंजाम देकर आरोपी साकेत शर्मा एक कैब बुक कर बसौला के लिए रवाना हुआ, जहां रास्ते में कैब ड्राइवर को हथियार दिखाकर कैब छीन ली। वह कैब से लुहारू पहुंच गया। जहां से ट्रेन में बैठकर चूरू के मकड़ीनाथ नगर रेलवे स्टेशन पर उतर गया। जहां वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

पुलिस की ओर से पूछताछ में सामने आया कि साकेत शर्मा करीब डेढ़ साल पहले ही दिल्ली पुलिस में लगा था। अपने जीजा रजत को मारने के लिए गुरुवार रात को शस्त्रागार से एमपी-5 हथियार और 35 राउंड निकलवाया। इसके बाद वह कैब कर अपनी बहन के ससुराल पहुंचा। जहां वारदात को अंजाम दिया। आरोपी की ओर से की गई फायरिंग में बहन के दादा ससुर की मौत हो गई, जबकि दादी सास, ससुर और भाई घायल हो गए। जिनको इलाज के लिए रोहतक अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

चरखी दादरी के गांव घसौला निवासी रजत की शादी दिल्ली पुलिस के जवान साकेत निवासी गोपालवास की बहन ऊषा के साथ हुई थी। उनकी शादी दिसंबर 2023 में हुई। तब लड़की के घरवालों को बताया था कि रजत गृह मंत्रालय में नौकरी करता है, लेकिन बाद में लड़की के घरवालों को पता चला कि रजत के पास नौकरी नहीं है। इससे साकेत नाराज था। इसके अलावा रुपए के लेनदेन की बात भी सामने आई है। घटना के समय आरोपी की बहन ससुराल में नहीं थी। वह पीहर गई हुई थी। आरोपी के बारे में सूचना देने वाली डीएसटी की टीम ने रतननगर पुलिस के साथ मर्डर के आरोपी साकेत शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई करने वाली टीम में डीएसटी इंचार्ज वीरेन्द्र सिंह, कॉन्स्टेबल मुकेश, मुकेश कुमार, धर्मेन्द्र, मोहरपाल, अजय, प्रमोद कुमार व भीम सिंह शामिल थे।

डिप्टी एसपी संजय बोथरा को कोर्ट ने भगोड़ा घोषित किया

बीकानेर, (निसं)। दस साल पहले सदर थाना इलाके में मोहम्मद हुसैन हत्याकांड का अंतिम गवाह तत्कालीन सदर थानाधिकारी और वर्तमान में सीकर के रींगस में सीओ संजय बोथरा सुनवाई के दौरान फिर कोर्ट में पेश नहीं हुए।

उनके खिलाफ पहले से कोर्ट की ओर से वारंट जारी हो रखा है, लेकिन आठ महीने से पुलिस उनका वारंट तामील नहीं करवा पाई, जबकि सात महीने वह बीकानेर के नोखा में सीओ के पद पर सेवाएं दे चुके हैं। अपर जिला एवं सेशन न्यायालय संख्या पांच के न्यायाधीश अनुभव सिडाना ने बोथरा को भगोड़ा घोषित कर दिया। उनकी संपत्ति सूची पेश करने, सैलरी सीज करने एवं बोथरा को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश करने के आदेश दिए हैं। इस संबंध में सीकर पुलिस अधीक्षक को पत्र भी लिखा गया है। अपर जिला एवं सेशन न्यायालय संख्या पांच के पास एडीजे संख्या सात का चार्ज है। मामले में अगली सुनवाई पांच जुलाई को होगी।

दो पक्षों में आपसी रंजिश के कारण के कारण हुए हत्याकांड में पुलिस ने रसीद उर्फ लाला, पिलू, जब्बार उर्फ अब्दुल जब्बार, सुनील उर्फ बाबूलाल, रिंकू, सोनू उर्फ मो. इरफान, विक्की, बाबूलाल पुत्र रामलाल के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। मामले में सभी गवाहों के बयान कोर्ट में हो गए। अंतिम गवाह तत्कालीन सदर थानाधिकारी संजय बोथरा के बयान अधूरे हैं। संजय बोथरा, जांच अधिकारी एवं सीओ रींगस के अनुसार पिछली दो तारीख को कोर्ट में उपस्थित हुआ था, लेकिन पीठासीन अधिकारी का स्थानांतरण होने के कारण एवीडेंस नहीं हो पाई। अब एक जुलाई तक अवकाश पर हूं। आगामी तारीख को कोर्ट में हाजिर हो जाऊंगा।

8 मार्च, 2014 को पुरानी गिन्नाणी में मोहम्मद हुसैन की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई थी। तत्कालीन सदर थानाधिकारी संजय बोथरा ने मामले की जांच की थी। कोर्ट में इस मामले को लेकर 24 गवाहों के बयान हो चुके हैं। जांच अधिकारी बोथरा अंतिम गवाह हैं, जिनके बयान 28 मई, 22 से शुरू हुआ, जो कोर्ट समय पूरा होने के कारण अधूरा रह गया। उनके बयान 30 मई और 15 नवंबर, 22 को भी पूरे नहीं हुए।

कोई नहीं बदल सकता हमारा संविधान, किसी भी तरह के भ्रम में नहीं पड़ें : राज्यपाल मिश्र

हनुमानगढ़, (निसं)। नोहर में गौरीशंकर बिहाणी राजकीय कन्या महाविद्यालय भवन के लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि जैसा गीता, बाइबिल व कुरआन, वैसा ही हमारा संविधान, इसको कोई नहीं बदल सकता। संविधान जैसा है, वैसा ही रहेगा। किसी भी तरह के भ्रम में नहीं पड़े। पंथ, भाषा, क्षेत्र का भेद दूर कर हमें राष्ट्रीय एकता को मजबूत करें।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि मूल अधिकारों की तो सब बात करते हैं। हमें मूल कर्तव्यों का भी ध्यान रखना चाहिए। हिंसा से दूर रहें। माता-बहनों की इज्जत करें। पर्यावरण का संरक्षण किया जाए और ज्ञानार्जन को बढ़ावा दिया जाए। राज्यपाल ने कहा कि आजकल संविधान की बड़ी चर्चा है। विश्व में सबसे श्रेष्ठ और सबसे बड़ा लिखित संविधान हमारा है। इसे बदला नहीं जा सकता। इसमें संशोधन हो सकते हैं जिसके लिए संवैधानिक प्रक्रिया है। ऐसा समय-समय पर होता रहा है। इससे पहले दोपहर करीब पौने एक बजे राज्यपाल का काफिला महाविद्यालय परिसर में पहुंचा। पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान की धुन बजाई तथा राज्यपाल को गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। राज्यपाल ने फीता काटकर तथा पट्टिका का अनावरण कर महाविद्यालय का लोकार्पण किया। वहीं महाविद्यालय परिसर में स्थापित गौरीशंकर बिहाणी एवं नर्मदा देवी बिहाणी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। बिहाणी चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने राज्यपाल को कॉलेज भवन का अवलोकन कराया। इसके बाद राज्यपाल, विधायक अमित चाचाण, पूर्व कैबिनेट मंत्री बीडी कल्ला, बिहाणी चैरिटेबल ट्रस्ट के लक्ष्मीनारायण बिहाणी व ओमनारायण बिहाणी ने सभास्थल पर दीप प्रज्जवलित किया। ट्रस्ट के केशव बिहाणी, तरुण बिहाणी सहित अन्य सदस्यों ने राज्यपाल का पुष्प भेंट कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

- नोहर में गौरीशंकर बिहाणी राजकीय कन्या महाविद्यालय भवन का लोकार्पण समारोह आयोजित

गौरतलब है कि बिहाणी चैरिटेबल ट्रस्ट ने करीब छह करोड़ रुपए की लागत से दो मंजिला कन्या महाविद्यालय भवन का निर्माण कराया है। इससे पहले ट्रस्ट ने जिले के पहले राजकीय महाविद्यालय नर्मदा देवी बिहाणी महाविद्यालय भवन का निर्माण कराया था। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है जिससे विद्यार्थी संस्कारित बने। जीवन मूल्यों की समझ बढ़े और जीविकोपार्जन के लिए तैयार हो सके। केवल अक्षर ज्ञान शिक्षा का उद्देश्य नहीं है। मनुष्य का निर्माण व विकास ही शिक्षा का उद्देश्य है। विद्यार्थी की उत्तम दिशा तय हो, नहीं शिक्षा नीति से ऐसा हो सकेगा। कक्षा छह से ही कौशल विकास की शिक्षा दी जाएगी। इससे विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ेगा। नौकरी मिलेगी कि नहीं मिलेगी, इस चिंता में नहीं पहुंचेंगे।

राज्यपाल ने बिहाणी परिवार व ट्रस्ट का आभार जताते हुए कहा कि जो दूसरों के लिए जीवन समर्पित करता है सच्चा कर्मयोगी होता है। जिसका ह्रदय निश्छल हो, वहीं गौरीशंकर बिहाणी की तरह कार्य कर सकता है। उनकी तथा उनके परिवार की कर्मभूमि जहां भी रही हो, मगर कभी अपनी जन्मभूमि को बिसराया नहीं, यह बड़ी बात है। शिक्षा के लिए किया गया कार्य श्रेष्ठ होता है। कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने वाले ऐसे कार्य से ही समाज व राष्ट्र का विकास होता है।

बीकानेर में झमाझम बारिश, वाहन भी पानी में बहे

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में शनिवार को हुई झमाझम बारिश से शहर के अनेक इलाके जलमग्न हो गये और पानी के तेज बहाव के चलते वाहन भी पानी में बहने लगे। इतना ही नहीं हाल ही में सीवरेज के लिये खोदी गई सड़कें धंस गई। इन धंसी सड़कों के कारण अनेक वाहन इनमें चले गये। मंजर यह रहा कि सादुल स्कूल सामने की रोड पर बने रामदेव मार्केट का अंडरग्राउंड सड़क से ऊपर बह रहे जलस्तर के कारण पानी से भर गया। इतना ही नहीं अचणाबाई से केईएम रोड पर तेज पानी के बहाव से दुपहिया,चौपहिया वाहन बहते नजर आये।

घर में घुसे मगरमच्छ से हड़कंप मचा

मंडरायल/करौली, (निसं)। करौली जिले के मंडरायल उपखंड के रोधई गांव में एक मगरमच्छ घर में घुस गया। शनिवार प्रातः परिजनों ने जब मगरमच्छ को देखा तो हड़कंप मच गया। मगरमच्छ के घर में घुसने की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

ग्रामीणों ने मगरमच्छ की पूंछ को रस्सी के सहारे एक पेड़ से बांध दिया। सूचना पर घड़ियाल अभ्यारण से टीम और तहसीलदार मौके पर पहुंचे और मगरमच्छ का रेस्क्यू कर सुरक्षित नींदर बांध में छोड़ा। मंडरायल तहसीलदार महेंद्र गुप्ता ने बताया कि रोधई गांव निवासी मनोरी धोबी के घर में मगरमच्छ घुस गया। मगरमच्छ के घर में घुसने से उसके परिजन और ग्रामीण भी भयभीत हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही घड़ियाल अभ्यारण्य के कार्मिकों को फोन किया और मौके पर बुलाया। रोधई गांव में ग्रामीणों ने एक मगरमच्छ को पूंछ और गर्दन से एक रस्सी के सहारे पेड़ से बांध रखा था। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा थे। मौके पर पहुंचकर घड़ियाल अभ्यारण्य की टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित रेस्क्यू कर नींदर के बांध में छोड़ा है। साथ ही ग्रामीणों से भी बारिश के मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतने की अपील की है।

हॉस्पिटल में महिला की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के रामस्नेही हॉस्पिटल में एक महिला की मौत के मामले को लेकर परिजनों ने हंगामा खड़ा कर दिया। जानकारी के अनुसार पुष्पलता पत्नी मुकेश वैष्णव (35) निवासी गंगापुर को 3 दिन पूर्व परिजनों ने हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां आज इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। परिजनों का आरोप था कि हॉस्पिटल प्रबंधन की लापरवाही के कारण महिला की मौत हुई है। तीन बोतल चढ़ाने के दौरान अचानक महिला की हालत बिगड़ी और उसने दम तोड़ दिया, इसके बाद परिजनों ने हॉस्पिटल में हंगामा खड़ा कर दिया। फिलहाल प्रबंधन और परिजनो के बीच समझाइश का दौर जारी है।

भांकरी में सी.एम. के प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियां तेज

ईआरसीपी आभार सभा को संबोधित करेंगे भजनलाल

पावटा, (निसं)। सोमवार को पावटा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भांकरी में पहली बार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रस्तावित भ्रमण को लेकर तैयारी तेज हो गई है।

विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ के नेतृत्व में क्षेत्र की जनता द्वारा ईआरसीपी योजना में कोटपुतली-विराटनगर क्षेत्र के तीन बड़े बांधों छितोली, जवानपुरा धाबाई एवं बुचारा बांध को जोड़ने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अभिनंदन एवं धन्यवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। एक जुलाई सोमवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक अमला तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है।

वहीं शनिवार की रात गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने पावटा उपखंड अधिकारी कपिल उपध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली नेमसिंह, डीएसपी रोहित सांखला, प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार सहित विभागीय अधिकारियों के साथ ग्राम पंचायत भांकरी में होने वाले कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। 1 जुलाई सोमवार को मुयमंत्री भजनलाल शर्मा कोटपुतली बहरोड जिले के पावटा कस्बे के ग्राम भांकरी में पहुंच कर ईआरसीपी आभार सभा को सबोधित करेंगे।

नाडी में डूबने भाई-बहन की मौत

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड के ग्राम बालोता का बाड़िया में नाडी में डूबने से भाई बहन की मौत के बाद शनिवार को शवों का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने परिजनों को सौंप दिए।

ग्राम बालोता का बाड़िया में शुक्रवार को पैर फिसलने से भाई बहन के नाडी में गिरने से पानी में डूब जाने से दोनों की मौत हो जाने से दोनों के शव मसूदा चिकित्सालय की मार्चरी में रखवाए थे, लेकिन शाम होने से शवों का पोस्टमार्टम शनिवार को कराया गया। पुलिस ने शनिवार प्रात भाई-बहन के शवों का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

60 लाख की नकदी से भरा कट्टा ही उठा ले गए चोर

झुंझुनूं, (निसं)। सदर थाना इलाके के नयासर गांव में बीती रात को करीब 60 लाख रूपए नकदी की चोरी हो गई। परिवार के लोगों ने अपने खेत को बेचा था। जिसके पैसे कट्टे में डालकर कमरे में बनी संदूक में रखे हुए थे। चोरों ने इस कट्टे को ही पार कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

नयासर निवासी आशीष कस्वां ने बताया कि उनका मारिगसर रोड पर मकान है। दो-तीन महीने पहले उन्होंने अपना एक खेत बेचा था, जिससे उन्हें डेढ़ करोड़ रूपए के करीब की राशि मिली थी। इसमें से उन्होंने 60 लाख रूपए छोड़कर शेष पैसों से दूसरी जगह प्रोपर्टी खरीद ली। बीती रात को वह खुद दोस्तों के साथ बाहर गया हुआ था। घर पर उसकी मां सुनिता, बहन मुकेश तथा मौसेरी बहन सचिना थी। रात को उनके पड़ौस में रहने वाले एक परिवार ने उसकी मां को फोन किया और घर पर चल रही जन्मदिन पार्टी के लिए न्यौता दिया। आशीष की मां अपनी बेटी और भांजी के साथ जन्मदिन पार्टी में चली गई, लेकिन जब वापिस आकर देखा तो जिस कमरे में पैसे पड़े थे। उस कमरे के ताले टूटे हुए थे। वहीं संदूक का भी ताला टूटा हुआ मिला। संदूक में पैसों से भरा कट्टा संभाला तो वह गायब था। उसने की इसकी सूचना अपने बेटे को दी।

- परिवार के लोगों ने अपने खेत को बेचा था, जिसके पैसे कट्टे में डालकर संदूक में रखे हुए थे
- परिवार के लोग पड़ौस में किसी जन्मदिन पार्टी में गये, पिछे से चोरी हो गई

बेटे ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने कहा कि मौके पर जो भी लोग है उन्हें वहीं रोके रखना। हम आ रहे हैं। इस दौरान आशीष को घर से कुछ दूरी पर एक स्विफ्ट कार मिली। जिसमें कुछ युवक सवार थे। आशीष और उसके दोस्तों ने इन युवकों को रोकने की कोशिश की तो इनमें से एक युवक ने आशीष पर ही धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे आशीष का सिर फूट गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कुछ संदिग्ध युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। वहीं मौका मुआयना कर जांच शुरू कर दी है।

सूने मकान से सात लाख के जेवर सहित डेढ़ लाख की नगदी चोरी

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के कोतवाली थाना इलाके में बीती रात को अज्ञात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। चोर सूने मकान के ताले तोड़कर डेढ़ लाख की नगदी और करीब 7 लाख रुपए कीमत के सोने चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। सुबह जब मकान मालिक घर पहुंचा तो हालत देखकर होश उड़ गए।

- परिवार के लोग उत्तर प्रदेश के इटावा शहर में रिश्तेदारी में शादी समारोह में गए थे

गृहस्वामी इरफान खान पुत्र टापू खान निवासी भामतीपुरा धौलपुर ने बताया कि 28 जून को उनके परिवार के लोग उत्तर प्रदेश के इटावा शहर में रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। 29 जून को सुबह तड़के जब घर आए तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ दिखा तो होश उड़ गए। मकान के अंदर कमरे एवं अलमारी बक्सों के भी ताले टूटे हुए मिले। जांच करने पर पता चला कि अलमारी, बक्सा एवं सूटकेस से अज्ञात चोर करीब डेढ़ लाख की नकदी और 5-7 लाख रुपए की कीमत के सोने-चांदी के आभूषणों को चुरा कर ले गए। उधर घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया। घटना को लेकर गृहस्वामी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को रिपोर्ट दी हैं। वहीं पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर चोरों की तलाश में जुट गई है।

मकान में चोरी की वारदात के बाद सामान बिखरा पड़ा है।

जहरखुरानी का शिकार हुये जायरीन दम्पति

अचेत अवस्था में स्टेशन पर मिले, अस्पताल में भर्ती कराया

अजमेर, (कासं)। झारखंड से अजमेर दरगाह जियारत करने आ रहा एक दंपति जहरखुरानी का शिकार हो गया। अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेट फार्म नंबर 4-5 पर बेहोशी की हालत में मिला। जीआरपी ने दंपति को जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के अपातकालीन वार्ड में भर्ती करवाया है, जहां दोनों का उपचार जारी है।

जीआरपी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रानीगंज जामनगर झारखंड निवासी जाकिर शेख अपनी पत्नी जेहनआरा के साथ अजमेर दरगाह जियारत के लिए ट्रेन में बैठे। जाकिर शेख ने बताया कि दिल्ली में उनको एक व्यक्ति ने गन्ने का ज्यूस पिलाया और वे बेसुध हो गए। इस दौरान उनकी जेब से दस हजार नकद, मोबाइल व कान से सोने की बाली सहित अन्य सामान भी चुरा कर ले गए। ज्यूस पीने के बाद दोनों बेहोशी की हालात में आ गए। जैसे-तैसे दोनों रेलवे स्टेशन के प्लेट फार्म नंबर 4-5 पर उतरे। रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद दोनों बेहोश हो गए।

जीआरपी ने दोनों का अचेतावस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जाकिर को होश आ गया। उसने पुलिस को बताया कि उसके दस हजार रुपए नकद और उसकी पत्नी की कान की बाली चोरी हो गए हैं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है।

RajCOMP Info Services Limited (RISL)
C-Block, 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur

RISL invites bids from the eligible bidders for "Hiring services of a registered Chartered Accountancy firm under E-Mitra Project in RISL for a period of three years through open tender". The estimated cost is Rs. 75,60,000/-. The details can be seen on the websites: https://sppp.rajasthan.gov.in, https://risl.rajasthan.gov.in, https://doitc.rajasthan.gov.in

Raj.Samwad/C/24/1434 — Manager (Finance), RISL

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 339 प्रभात बीकानेर, रविवार 30 जून, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

टी-20 वर्ल्ड के फाइनल में 7 रन से जीत दर्ज कर 13 साल बाद एक बार फिर भारत टी-20 क्रिकेट का सरताज़ बन गया है। बारबेडोस में शनिवार को खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को अंतिम गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हरा दिया। इस जीत में विराट कोहली के 76 रनों का बड़ा योगदान रहा, इस प्रदर्शन के लिए उन्हें ''प्लेयर ऑफ द मैच'' चुना गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये भारतीय टीम ने 176 रन बनाये। भारत की शुरुआत काफी खराब रही, लेकिन बाद में अक्षर पटेल और विराट कोहली ने बड़ी साझेदारी कर टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुँचाया। पूरे टी-20 टूर्नामैंट में जसप्रीत बुमराह ने अपनी गेंद से बहुत ही शानदार योगदान दिया। बुमराह को उनके गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए ''प्लेयर ऑफ द टूर्नामैंट'' चुना गया। पहली बार किसी गेंदबाज को यह सम्मान मिला है। भारत ने 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था तथा उससे पहले वर्ष 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप चैम्पियन बना था। इस प्रकार भारत दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप चैम्पियन बना है।

कमला हैरिस जीतीं अमेरिका का बहुप्रतिक्षित बहुत चर्चित ''प्रैसिडेन्शियल डिबेट''

''प्रैसिडेन्शियल डिबेट'' राष्ट्रपति पद के दोनों पार्टियों, डैमोक्रैटिक पार्टी व रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख उम्मीदवार की सार्वजनिक बहस होती है

- इस बार प्रैसिडेन्शियल डिबेट के बाद कोई भी मजबूत विकल्प उभर के नहीं आया।
- एक तरफ थे, राष्ट्रपति बाइडन जो बढ़ती उम्र के कारण काफी थके हुए से नज़र आ रहे थे तथा लगातार काफी कनफ्यूज़्ड नज़र आये, बहस के दौरान आंकड़े प्रस्तुत करते समय। उन्होंने कहा उनकी सरकार ने 15,000 नये रोजगार उपलब्ध कराये, जबकि उनको कहना था, 15 मिलियन। इसकी प्रकार, उन्होंने बहस के दौरान कहा कि, वरिष्ठ नागरिकों को 200 डॉलर की आर्थिक सहायता दी गई, जबकि, वास्तविक आंकड़ा है, प्रति वरिष्ठ नागरिक 2000 डॉलर की आर्थिक मदद।
- यूरोप के राजनयिक अफसर, जो इस डिबेट को बहुत गंभीरता से देख रहे थे, ने कहा कि, अधिकतर ज्यादा सदस्य तो समझ ही नहीं पाये, अमेरिकी राष्ट्रपति कहना क्या चाह रहे हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। युनाइटेड स्टेट्स में हाल ही में प्रैसिडैन्शियल टी.वी. डिबेट हुआ, जो इस बात का एक बड़ा संकेत हैं कि, वहाँ पर चुनावी प्रतिस्पर्धा कैसी होने वाली है। इस तर्क से तो अमेरिका की जनता, बुढापे के कारण सठियाए व्यक्ति, जिसका अपने शारीरिक रिफ्लैक्सेज़ और प्रतिक्रिया पर कोई नियंत्रण नहीं है तथा उसके प्रतिस्पर्धी के रुप में ऐसे व्यक्ति का सामना कर रही है जो झूठ बोलता रहता है तथा घटिया बातें करता है।

डिबेट को लेकर कई दिनों तक तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं और जब डिबेट हुआ तो अमेरिका की जनता ने देखा कि उनके सामने कोई विकल्प नहीं है। सर्वोच्च पुरस्कार के लिए दो बूढ़े आदमी लड़ रहे है जबकि यह पुरुस्कार वास्तविकता में उम्र में बहुत छोटे व्यक्ति को मिलना चाहिए।

यदि आप एक का समर्थन करते हैं तो सज़ा भुगतने के लिए तैयार रहिए, यदि दूसरे का समर्थन करते हैं, तब तो आपका कुछ नहीं हो सकता। ऐसे में लगता है कि, डिबेट में सरप्राइज़ विनर कमला हैरिस हो सकती हैं। एक पर्यवेक्षक के अनुसार, बाइडन ने यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल के राज्यपाल ने मु.मंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ मान हानि का मुकदमा दायर किया हाई कोर्ट में

ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा था कि, महिलाओं ने उनसे शिकायत की है कि, वे राज भवन जाने से डर रही हैं, राज भवन में चल रही ''गतिविधियों'' के कारण

- ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि, राज भवन में कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रही एक महिला कर्मचारी ने उनसे यह शिकायत की है कि, राज्यपाल आनन्द बोस ने उस महिला कर्मजारी का ''यौन शोषण'' भी किया और इस शिकायत के बाद अब कोलकाता पुलिस इस यौन शोषण प्रकरण की जाँच कर रही है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की शिकायत के बाद राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने उनके खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दर्ज किया है। एक दिन पहले ही ममता बनर्जी ने कहा कि एक महिला उनके पास यह शिकायत लेकर आयी थी कि राजभवन में चलने वाली गतिविधियों को लेकर उन्हें वहाँ जाने से डर लगता है।

सूत्रों ने बताया कि मोदी मंत्रिमंडल के सबसे ताकतवर मंत्री ने राज्यपाल बोस को अनुमति दी है कि वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कोर्ट में घसीटें।

ममता बनर्जी की टिप्पणियों को लेकर बोस ने आज सुबह उनकी आलोचना करते हुए कहा कि यह जनप्रतिनिधियों से यह उम्मीद की जाती है कि वे किसी की गलत एवं निंदात्मक छवि पेश न करें। सूत्रों ने बताया कि बंगाल के राज्यपाल ने तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) के कुछ नेताओं के खिलाफ भी ऐसी ही गलत बयानबाजी करने को लेकर मानहानि का मुकदमा दर्ज किया है।

बनर्जी ने गुरुवार को राज्य सचिवालय में हुई एक प्रशासनिक मीटिंग के दौरान दावा किया था कि ''महिलाओं ने उन्हें बताया है कि राजभवन में हुई हाल की घटनाओं के मद्देनज़र उन्हें वहाँ जाने से डर लगता है।

राजभवन में संविदा पर लगी एक महिला कर्मी ने गत 2 मई को बोस पर कथित रूप से छेड़छाड़ का आरोप लगाया था, जिसके बाद कोलकाता पुलिस ने भी एक जाँच शुरु की थी।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी पार्टी के साथियों के साथ वर्ष 1998 में धरना दिया था और मांग की थी कि मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की सरकार को बर्खास्त करने और एक मुख्यमंत्री को फ्लोर टैस्ट के बिना शपथ दिलवाने में अपनी कथित संदिग्ध भूमिका के कारण उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रोमेश भण्डारी को पद से हटाया जाए। वर्ष 2016 में ही, अरूणाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के राज्यपालों की भूमिका पर तब प्रश्नचिन्ह लग गए थे, जब केन्द्र सरकार ने उनक सिफारिश पर इन दोनों राज्यों में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था।

13 जुलाई 2016 को सुप्रीम कोर्ट ने अरूणाचल प्रदेश के राज्यपाल जे.पी. राजखोवा के निर्णय को सर्वसम्मति से रद्द कर दिया था। राजखोवा ने राज्य के विधानसभा 14 जनवरी से पहले 16 दिसम्बर से शुरु करने का निर्णय लिया था, जिससे इस सीमाई राज्य में असंतोष फैल गया और उसकी वजह से यहाँ गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति शासन लगाया गया। फिर जस्टिस खेहर के नेतृत्व वाली पाँच जजों की एक बैंच ने आदेश दिया कि 15 दिसम्बर 2015 को जो स्थिति थी उसी को वापस से बहाल किया जाए। इस आदेश ने भाजपा समर्थित एवं मुख्यमंत्री खलीको पुल के नेतृत्व वाले कांग्रेस की बागी सरकार को बाहर का रास्ता दिखाने के साथ ही कांग्रेस नेतृत्व वाली मुख्यमंत्री नबम तुकी सरकार की सत्ता में वापसी की।

उत्तराखंड के बाद, शीर्ष अदालत ने अपने एक निर्णय में भाजपा नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार द्वारा किए जा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयराम रमेश ने नीतीश व चंद्रबाबू नायडू को चुनौती दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को जनता दल (यू) द्वारा पारित संकल्प का जिक्र किया जिसमें बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की केन्द्र सरकार से मांग की गई है ताकि केन्द्रीय सहायता

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि, जद (यू) नेता नीतीश, तेलुगू देसम नेता चंद्रबाबू नायडू बताएं कि, वे अपने राज्यों के लिए केन्द्र से विशेष दर्जा मांगने से क्यों कतरा रहे हैं।

मिल सके। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य मंत्रिमण्डल में ऐसा प्रस्ताव ऐसा प्रस्ताव पारित करने का साहस दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा, क्या बिहार के मुख्यमंत्री इस बात पर अमल करेंगे।

जयराम ने एक्स पर पोस्ट कर टी.डी.पी. से भी उसकी नई पारी में स्टैण्ड जानना चाहा है। उन्होंने कहा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडू में ''नीट'' परीक्षा को मैडिकल कॉलेज में प्रवेश का आधार बनाने का विरोध दर्ज करवाया

तमिनाडू के मु.मंत्री स्टालिन ने इस मन्तव्य से विधानसभा में प्रस्ताव भी पारित करवाया

- मु.मंत्री स्टालिन ने प्रस्ताव पारित करने के पक्ष में तर्क दिया कि, तमिलनाडू के ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धन विद्यार्थियों के लिये मैडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाना अत्यन्तत मुश्किल हो गया है। स्टालिन ने यह भी याद दिलाया कि, तमिलनाडू की विधानसभा ऐसे प्रस्ताव पारित करके राज्यपाल को हस्ताक्षर के लिये भेज चुकी है।
- स्टालिन के अनुसार, नीट परीक्षा में पेपर लीक व भ्रष्टाचार की घटनाओं के कारण राहुल गाँधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव भी नीट परीक्षा का सिस्टम खत्म करने की हमारी मांग के समर्थन में आ गये हैं।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। नीट के खिलाफ तमिलनाडू की आवाज़ अब देश की आवाज़ बन गई है, यह बात कही है तमिलनाडू के मुख्यमंत्री ने जो मैडिकल पाठ्यक्रम में प्रदेश के इस कॉमन एंट्रैंस टैस्ट के खिलाफ तीसरी बार प्रस्ताव ला रहे हैं और उन्होंने इस परीक्षा को खत्म करने की मांग की जो सब राज्यों पर लाद दी गई है।

अब नीट परीक्षा में एक के बाद एक पेपर लीक की घटना और भारी फर्ज़ीवाड़ा सामने आने के बाद तमिलनाडू मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा पर प्रतिबंध की मांग अब पूरे देश से आ रही है और टैस्टिंग एजेंसी को लेकर गंभीर संदेह पैदा हो गया है।

लेकिन तमिलनाडू जैसे राज्यों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस टैस्ट के कारण ग्रामीण व निर्धन परिवारों को मैडिकल में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है। तमिलनाडू सरकार पहले भी दो बार नीट पर प्रतिबंध की मांग का प्रस्ताव पारित कर चुकी है। शुक्रवार को तीसरा प्रस्ताव पारित किया गया। रोचक बात यह है कि इस दौरान भाजपा ने तो सदन से वॉक् आउट किया पर उसकी गठबंधन सहयोगी पार्टी पी.एम.के. ने द्रमुक के प्रस्ताव का समर्थन किया।

अन्नाद्रमुक अनुपस्थित रही क्योंकि इसके सभी विधायकों को शराब दुखांतिका पर हंगामा करने के कारण निलम्बित कर दिया गया था। तमिलनाडू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लद्दाखः अभ्यास के दौरान नदी पार कर रहे सेना के 5 जवानों की मौत

लद्दाख, 29 जून। लद्दाख में सेना के जवानों के एक अभ्यास के दौरान बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। नदी में टैंक के साथ जवान अभ्यास कर रहे थे तभी अचानक जलस्तर बढ़ गया तेज बहाव में पांच जवान बह गए। जानकारी

- नदी में टैंक के साथ जवान अभ्यास कर रहे थे तभी अचानक जलस्तर बढ़ गया, तेज बहाव में पांच जवान बह गए।

के मुताबिक एक शव ही बरामद किया जा सका है। वहीं बाकी के जवानों के शव भी अब तक नहीं मिले हैं। नदी से टी-72 टैंक को निकाला गया है। घटना एलएसी के पास ही न्योमा चुशुल इलाके की है। बताया गया कि रक्षा अधिकारी टैंक को नदी पार कराने की एक्सरसाइज कर रहे थे। तभी अचानक नदी में सैलाब आ गया। पांच जवानों की मौत के अलावा कई के घायल होने की भी सूचना है।

सेना के अधिकारियों का कहना है कि लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

युवाओं के हितों पर कुठाराघात करने वालों को बख्शा नहीं जाएगाः मु.मंत्री भजनलाल

राज्य स्तरीय ''मु.मंत्री रोजगार उत्सव'' में मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने भी टीचर की नौकरी की बहुत कोशिश की थी

- मुख्यमंत्री ने कहा, नियुक्ति पत्र मिलने पर परिवार के मन में कैसा भाव आता है हम जानते हैं, हम भी परिवार में रहते हैं।
- मुख्यमंत्री शर्मा ने शनिवार को मानसरोवर के टैगोर इंटरनैशनल स्कूल ऑडिटोरियम में आयोजित, पहले मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव को संबोधित किया।
- कार्यक्रम में नौकरी हासिल करने वाले कई नए कार्मिकों ने मु.मंत्री का आभार जताया।
- कार्यक्रम में सभी जिलों के 20,000 से ज्यादा नवनियुक्त अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।
- रोजगार उत्सव में, कौशल नियोजन व उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़, इसी विभाग के राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचिव सुधांश पंत, चिकित्सा सचिव शुभ्रासिंह व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।
- कई जिला मुख्यालयों से नए कार्मिक वीडियो कॉन्फ्रैंस के जरिए भी कार्यक्रम से जुड़े।

जयपुर, 29 जून (का.सं.)। शनिवार को जयपुर के मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ऑडिटोरियम में प्रथम बार आयोजित हो रहे राज्य स्तरीय ''मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव'' समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, विकसित एवं उत्कृष्ट राजस्थान बनाने में युवा शक्ति की अहम भूमिका होगी।

उन्होंने कहा कि, मैंने भी टीचर की नौकरी के लिए बहुत कोशिश की। फॉर्म भरकर पढ़ने जाता था। आपको नियुक्ति पत्र मिलते ही परिवार के मन में कैसा भाव होगा, हम जानते हैं। इससे आगे वाली पीढ़ी को भी आत्मबल मिलता है। हम भी परिवार में रहते हैं। परिवार की भावना को जानते हैं। मु.मंत्री ने कहा, राजकीय सेवाओं में युवाओं को प्रदेश व समाज के जरूरतमंद वर्ग की सेवा करने एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं की उम्मीदों पर खरी उतर रही है और उन्हें सरकारी नौकरियों के सुनहरे अवसर भी प्रदान कर रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त राज्य कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उत्कृष्ट राज्यकार्य के लिए प्रेरित किया। साथ ही, सभी जिला मुख्यालयों से जुड़े नवनियुक्त कार्मिकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद भी किया। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से 20 हजार से अधिक नवनियुक्त अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेते हुए प्रदेश में नियमित रूप से ''मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव'' आयोजित किए जाएंगे। राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के संकल्प पत्र के वादे को पूरा करने के लिए पारदर्शी एवं समयबद्ध भर्ती परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित कर रही है। शर्मा ने कहा कि, प्रदेश में रोजगार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रदेश में पहली बार ''मुख्यमंत्री रोजगार महोत्सव'' आयोजित हुआ। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनैशनल स्कूल के ऑडिटोरियम में हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने हाथों से राजकीय सेवाओं में नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र बांटे।

बीकानेर में एक घंटे झमाझम, पहली बारिश में ही सड़कें बनी दरिया

- गंगाशहर से लेकर भीतरी परकोटे तक की गलियां पानी से लबालब हो गई
- तेज बरसात के पानी में रास्ते में खड़ी बाइक व कारें तक बह गई

बीकानेर, (कासं)। मानसून की पहली बारिश में ही बीकानेर पानी-पानी हो गया। इस सीजन की पहली बारिश ने ही नगर निगम और प्रशासन के दावों की पोल खोलकर रख दी। हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शहर के अनेक इलाके जलमग्न हो गये और पानी के तेज बहाव के चलते वाहन भी पानी में बहने लगे।

मानसून से पहले जिला प्रशासन के आलाधिकारी बैठकें कर कई तामझाम करने के दिशा निर्देश देते नजर आएं। लेकिन जब हालात का सामना हुआ तो प्रशासन की पोल शहर के अनेक नजारों ने खोल दी। हालात यह रहे कि जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत के लिये भी किसी प्रकार के कोई प्रबंध देखने को नहीं मिले।

मजे की बात तो यह है कि निगम की ओर से अभी तक नालों की सफाई तक नहीं होने से पूरा शहर गंदले पानी के उफान से गंदा और बदबू मारता नजर आया।

जिसके बाद शहरवासी बारिश में सड़कें बनी दरिया और इसमें बहते लोग व वाहनों के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल कर सिस्टम की फजीहत करते नजर आएं। लोग तो यहां तक कहते नजर आएं कि महापौर चिकित्सा विभाग की शिकायतें करने की बजाय अपने काम पर ध्यान देती तो पहली बारिश के बाद शहर के ये हालात नहीं होते।

पिछले कई दिनों से घुटन वाली गर्मी से आज शहरवासियों को राहत मिली है। हालांकि सुबह से पूरे शहर में एक जैसा मौसम होने के बाद भी आधा शहर पानी से भीगा तो आधा सूखा ही रहा। मौसम विभाग ने शनिवार सुबह जारी यलो अलर्ट में बीकानेर में बारिश की उम्मीद जताई है। साथ ही बिजली चमकने पर पेड़ के नीचे नहीं जाने की चेतावनी भी दी है।

उधर सुबह से ही बीकानेर के आसमान में बादल डेरा डाले हुए हैं, जिसके बाद आधे शहर में झमाझम बारिश हुई। कोटगेट, केईएम रोड़, जयनारायण व्यास कॉलोनी, शिवबाड़ी, पवनपुरी, शहर के अंदरूनी हिस्सों सहित अनेक क्षेत्रों में तेज बारिश हुई। वहीं पुरानी गिन्नाणी, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, अंसल कॉलोनी सहित आसपास के कई क्षेत्र बारिश को तरस गए। घटाएं छाई रही लेकिन बरसी नहीं। जहां तेज बरसात हुई वहां तेज गति से बहते पानी ने रास्ते में खड़ी बाइक तक को बहा दिया।

कोटगेट के साथ ही जयनारायण व्यास कॉलोनी एरिया में रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। देखते-देखते सड़कें दरिया बन गई। शहरी क्षेत्र में करीब एक घंटे जमकर पानी बरसा। गंगाशहर से लेकर भीतरी परकोटे तक की गलियां पानी से लबालब हो गई। भीषण गर्मी के बाद आई झमाझम बारिश के बाद लोगों को राहत मिली। लम्बे इंतजार के बाद जमकर हुई बारिश का लोगों ने भी लुत्फ उठाया। वहीं बाजारों में कचौड़ी-पकौड़ी की दुकानों पर लोगों का जमावड़ा लग गया। घरों में लोग छतों पर चढ़ गए और बारिश में नहाने का लुत्फ उठाया।

थोड़ी सी बरसात में ही प्रशासन की पोल खोलकर रख दी। पूरा शहर पानी से लबालब हो गया। लोगों का आवागमन तो बाधित हुआ ही साथ ही जानमाल का भी नुकसान हुआ। कई कारें तैरती हुई जा रही थी।

बीकानेर में ट्रिपल इंजन की सरकार होते हुए भी यह हाल है। बीकानेर सांसद भाजपा के हैं, बीकानेर जिले में 7 में से 6 विधायक भाजपा के हैं। नगर निगम का बॉर्ड भाजपा का है। बावजूद इसके बीकानेर जिलें में विकास कार्य ठप है। आज हमने सांकेतिक रूप से सरकार को चेतना के लिए इस पोस्टर के साथ विरोध प्रदर्शन किया है। अगर समय रहते सरकार नहीं चेती तो बीकानेर की जनता के हित में बड़ा विरोध प्रदर्शन भी करेंगे।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

श्रीगंगानगर, (कासं)। प्रोफेसर प्रशान्त चन्द महालनोबिस के आर्थिक नियोजन एवं सांख्यिकी विकास के क्षेत्र में दिये गये योगदान के उपलक्ष में उनके जन्म दिवस 29 जून 2024 पर 18वां सांख्यिकी दिवस समारोह का आयोजन जिला परिषद सभागार में कार्यालय उपनिदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग श्रीगंगानगर द्वारा किया गया।

समारोह में जिला, ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालयों, अन्य विभागों में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। समारोह में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सही उतर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। विभाग द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन, जन आधार योजना, संस्था आधार रजिस्ट्रेशन व अन्य विभागीय कार्यों की पीपीटी बनाकर प्रदर्शित की गई। सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक मोहनलाल ने सांख्यिकी के कार्यों व इसके महत्व के बारे में प्रकाश डाला। सांख्यिकी विभाग से सेवानिवृत अनिल कुमार शर्मा को शॉल ओढाकर, सम्मान प्रतीक भेंट किया।

सार-समाचार

चेल्सी मिस एवं अमन मिस्टर फ्रेशर

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी कॉलेज बीकानेर के बी.वी.एस.सी. एण्ड एच. 2022 बैच के विद्यार्थियों ने 2023 के बैच के छात्रों के लिए शुक्रवार को फ्रेशर वेलकम पार्टी 'इवारा-2023' का आयोजन किया। फ्रेशर पार्टी के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में अनुशासन, कठिन परिश्रम और आपस में सहयोग की भावना होनी चाहिए। छात्रों में फ्रेशर कार्यक्रमों से एक-दूसरे को समझने एवं परस्पर सहयोग की भावना का विकास बढ़ती है। प्रो. गर्ग ने विद्यार्थियों को वेटरनरी प्रोफेशन में व्यापक रोजगार के विभिन्न आयामों के बारे में भी अवगत करवाया और कहा कि विद्यार्थियों हेतु वेटरनरी इन्टरप्रोन्योरशिप क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावना है। सीनियर छात्रों ने नवआगन्तुक छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत किया एवं सफेद ऐप्रन एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। सभी नवआगन्तुक छात्रों ने स्टेज पर अपना परिचय दिया। इस अवसर पर छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के दौरान चेल्सी चौहान को मिस फ्रेशर एवं अमन को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय द्वारा शैक्षणिक स्टाफ की विभिन्न कमेटियां गठित की गई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर्स, शैक्षणिक स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

रैली से दिया जल संरक्षण का संदेश

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पांसिबिलिटी के अंतर्गत गोद लिए ग्राम गाढवाला में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा जल संरक्षण विषय पर जागरूकता रैली निकाली गई। प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. राजेश कुमार धूड़िया ने बताया कि भूमि का जल स्तर दिन प्रतिदिन गिरता जा रहा है। अतः जलवायु परिवर्तन के वर्तमान परिपेक्ष में जल संरक्षण की महती आवश्यकता है। इसी संदर्भ में आज गाढ़वाला में जल संरक्षण रैली का आयोजन किया गया। रैली गांव के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए अधिक से अधिक ग्राम वासियों को जल संरक्षण हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया तथा जल संरक्षण का महत्व बताया गया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि सुमेर सिंह, यूनिवर्सिटी के डॉ. नीरज कुमार शर्मा एवं डॉ. संजय महला मौजूद थे।

दो ट्रेलर भिड़े, एक चालक जिंदा जला

बीकानेर, (कासं)। जैतपुर टोल प्लाजा से तीन किमी दूर भारतमाला सड़क पर हनुमानगढ़ की ओर दो ट्रेलर में भीषण टक्कर के बाद आग लगने से एक ट्रेलर का चालक जिंदा जल गया। वहीं तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस व टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने घायलों को बाहर निकाल कर महाजन अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से तीनों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार हनुमानगढ़ की ओर से आ रहा एक ट्रेलर खराब होने के कारण सड़क पर खड़ा था। पीछे से तेज रफ्तार में आए एक ट्रेलर ने खड़े ट्रेलर को टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों ट्रेलर आपस में उलझ गए व दोनों में आग लग गई। हादसे की सूचना मिलने पर जैतपुर टोल प्लाजा से टोल कर्मी मौके पर पहुंचे। महाजन थाना प्रभारी कश्यप सिंह जाब्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस व टोल कमिर्यों ने आग से घिरे दोनों ट्रेलर में फंसे तीन अन्य लोगों को मुश्किल से बाहर निकाला। बाद में टोल प्लाजा की एंबुलेंस से घायलों को महाजन अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में रेफर किया गया। हादसे में सड़क पर खड़े ट्रेलर का चालक कलवेंद्र सिंह निवासी प्रवाही जिला बरनाला, एगवीर सिंह निवासी पांडा जिला बरनाला व पीछे से टक्कर मारने वाले ट्रेलर में खलासी सत्यवीर सिंह निवासी मंडला जिला सिरसा गंभीर रूप से घायल हुए। वहीं पीछे से टक्कर मारने वाले ट्रेलर का चालक कुलदीप सिंह वाहनों में फंस जाने से जिंदा जल गया। पुलिस ने हादसे की सूचना मृतक व घायलों के परिजनों को दी। हादसे में दोनों ट्रेलर जलकर राख हो गए। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हाइड्रा की मदद से सड़क से दूर हटवाकर आवागमन सुचारू करवाया।

एम.जी.एस. वि. प्रबन्ध बोर्ड की बैठक में बजट पारित

बीकानेर, (कासं)। एमजीएस विश्वविद्यालय प्रबन्ध बोर्ड की 43 वीं बैठक शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 18349 लाख रूपये का बजट पारित किया गया।

विश्वविद्यालय कुलसचिव हरिसिंह मीना ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में शैक्षणिक उन्नयन, शोध एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु विभिन्न प्रावधान निर्धारित किये गए है। आगामी वित्तीय वर्ष में विश्वविद्यालय द्वारा अपनी कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग अपनी कार्यप्रणाली डिजिटल माध्यम में परिवर्तित करने हेतु 500 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा हेतु पुस्तकालय एवं लैब की सुविधाओं का विस्तार करने हेतु 350 लाख, छात्रवृति हेतु 100 लाख, खेलकूद गतिविधियों के विस्तार 150 लाख का प्रावधान रखा गया है। साथ ही दो नवीन अकादमिक भवनों के निर्माण के लिए 3000 लाख का प्रावधान किया गया है।

विश्वविद्यालय हरा-भरा एवं ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत (सोलर) के लिए विशेष प्रावधान करते हुए 175 लाख का प्रावधान रखा गया है। प्रबन्ध बोर्ड की बैठक में उपस्थित सदस्य ताराचंद सारस्वत ने शैक्षणिक गुणवत्ता के सुधार पर जोर देते हुए कहा कि विश्वविद्‌यालय से सम्बद्धता प्राप्त महाविद्‌यालयों में नियमानुसार शिक्षकों की नियुक्ति एवं शिक्षकों को नियमानुसार वेतन देने हेतु पाबन्द किया जाए।

सारस्वत ने राज्य सरकार की भावना के अनुरूप उच्च शिक्षा के मानदण्डों के अनुरूप विश्वविद्यालय में क्षेत्री आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नवीन पाठ्यक्रम खोलने एवं शोध गतिविधियां संचालित करने पर भी जोर दिया।

बदमाशों ने किसान से रुपयों से भरा बैग छीना

- लूणकरनसर मंडी में मोटर साइकिल पर सवार होकर आये दो नकाबपोश बदमाश एक किसान के हाथ से रूपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए

बीकानेर, (कासं)। जिले में एक बार फिर किसान के साथ लूट की वारदात सामने आई है। दरअसल मामला लूणकरनसर कस्बे का है। जहां स्थित मंडी में मोटर साइकिल पर सवार होकर आये दो नकाबपोश बदमाश एक किसान के हाथ से रूपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए।

इस आशय की रिपोर्ट कालू कस्बे की वार्ड एक निवासी किसान मोहनराम नाई ने पुलिस थाने में दी है। रिपोर्ट में बताया कि वह लूणकरनसर स्थित मंडी से रूपयों से भरा बैग लेकर आ रहा था। इसी दौरान एक मोटर साइकिल पर सवार होकर आये दो नकाबपोश बदमाश उसके हाथ से रूपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए।

इस दौरान उसने शोर मचाया। किंतु तब तक आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध हथियार सहित दबोचा : पुलिस ने अवैध हथियार लेकर घूम रहे एक अधेड़ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हथियार बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक लूणकरनसर पुलिस थानान्तर्गत कालावास गांव की आम गली में आरोपी ईमीलाल (57) पुत्र गणेशाराम अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। इसकी सूचना मिलने के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बगैर लाइसेंस की एक टोपीदार बंदूक बरामद की है।

'लूणकरनसर झील को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करेंगे'

- लेक मैनेजमेंट सिस्टम से होगी लूणकरणसर, आनासागर, खींचन और चंदलाई की निगरानी

बीकानेर, (कासं)। लूणकरनसर स्थित नमक की झील को पर्यटन का रूप देने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने दौरा कर झील के क्षेत्र को देखा। इस दौरान झील के सौंदर्यकरण व विकास को लूणकरनसर में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर चर्चा की।

जिला कलेक्टर वृष्णि ने कहा कि लूणकरनसर की नमक झील में देशी-विदेशी पक्षियों की आवाजाही रहती है। इससे ही इसकी खास पहचान है तथा आने वाले समय में इसका सौंदर्यकरण और रख-रखाव सामूहिक प्रयासों से किया जायेगा। जिससे इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा सके। इसमें विभिन्न विभागों के साथ डीएमएफटी और सीएसआर मद का सहयोग भी लिया जयेगा। इसके बाद उन्होंने झील का मौका मुआयना भी किया। उन्होंने कहा कि झील के चारों और पौधारोपण किया जायेगा। पौधे उपलब्ध करवाने के लिए वन विभाग को निर्देशित किया और कहा कि इस पर आने वाला व्यय पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन और अन्य मद से किया जायेगा।

आनासागर, लूणकरनसर, खींचन और चंदलाई में लेक मैनेजमेंट सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट चलाया जायेगा। इसके तहत उनकी सैटेलाइट के माध्यम से निरंतर निगरानी, जोखिम की जांच, निदान और वैज्ञानिक विश्लेषण होगा। इनमें बारिश के पानी की आवक, जल स्तर का माप का पता लगाया जा सकेगा ताकि उनका प्रकृति आधारित संसाधनों के माध्यम से पुनर्स्थापन किया जा सकेगा।

यह निर्णय सचिवालय में हुई राज्य आर्द्र भूमि प्राधिकरण की सातवीं बैठक में हुआ। यह कार्य एक निजी फर्म की ओर से किया जायेगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि आर्द्र भूमि संरक्षण जल संरक्षण के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य आर्द्र भूमि प्राधिकरण की सदस्य सचिव मोनाली सेन ने पीपीटी के माध्यम से आगामी कार्ययोजना से रूबरू कराया। बैठक में सिलीसेढ़ झील (अलवर) को रामसर साइट के रूप में नामित करने पर भी चर्चा हुई। इसका प्रस्ताव तैयार किया जायेगा। अधिकारियों ने बताया कि सांभर झील एवं केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान संरक्षण एवं संवर्धन के लिए इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लान तैयार किया गया है। जिसके तहत अतिक्रमण हटाए जायेंगे। पानी के स्टोरेज, स्तर, जल संग्रहण पर फोकस रहेगा। साथ ही प्रवासी पक्षियों के लिए भी रेस्क्यू सेंटर आदि विकसित किए जायेंगे। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा भी मिलेगा।

लालगढ़ स्टेशन पर गुमशुदा बालिका मिली

बीकानेर, (कासं)। यहां लालगढ़ रेलवे स्टेशन पर बीती देर रात को प्लेटफार्म नम्बर दो पर एक गुमशुदा 12 वर्षीय बालिका मिली। चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से इस बालिका को बालिका गृह भेज दिया गया।

चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपरवाइजर रामचन्द्र गहलोत ने बताया कि मध्यरात्रि को आरपीएफ निरीक्षक ऊषा निरंकारी ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दी कि लालगढ़ स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर एक गुमशुदा बालिका मिली है। बीकानेर जिला समन्वयक प्रवेश कुमार आचार्य के नेतृत्व में सीएचएल टीम के केस सुपरवाइजर सरिता राठौड़ व केस वर्कर सिराज मिर्जा ने लालगढ़ स्टेशन पर विजिट कर डीवी एसएस हितेंद्र सिंह तंवर के समक्ष पेश कर आरपीएफ से सुपुर्दगीमय अपने संरक्षण में लेकर सीएचएल कार्यालय, डीसीपीयू, लेकर आए। काउंसलिंग करने पर बालिका ने अपना नाम दिया पांडे, पिता का नाम तत्सत पांडे, घर का पता कानपुर उत्तरप्रदेश का होना बताया।

250 किमी. दूर बज्जू में बनाया परीक्षा केन्द्र, कैसे देंगी परीक्षा

- स्टेट ओपन बोर्ड की दसवीं की परीक्षा 2 जुलाई से है

बीकानेर, (कासं)। स्टेट ओपन बोर्ड की ओर से लूणकरनसर ब्लॉक की बालिकाओं का 250 किलोमीटर दूर बज्जू मुख्यालय पर परीक्षा केन्द्र बनाया है। ऐसी स्थिति में ये बालिकाएं परीक्षा नहीं दे पायेंगी।

गौरतलब है कि लूणकरनसर की उरमूल सेतु संस्थान की ओर से बीकानेर जिले के लूणकरनसर व पूगल ब्लॉक में 60 प्रगति केन्द्र संचालित किए जा रहे है तथा इनमें 829 बालिकाएं एवं युवतियां अध्ययन से जुड़ी हैं। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 14 से 29 आयु वर्ग की बालिकाएं व युवतियां जो किन्ही कारणों से 10वीं की परीक्षा पास नहीं कर पाई है और उच्च शिक्षा से वंचित है। इन बालिकाओं व युवतियों को 10वीं पास करने में संस्थान सहयोग कर रही है। साथ में उद्यमिता कौशल की तरफ बढ़ावा देने का प्रयास भी कर रही है। प्रगति केन्द्रों पर प्रेरकों के सहयोग से शिक्षार्थी नियमित अध्ययन कर रहे हैं।

ओपन स्टेट बोर्ड से 10वीं की परीक्षा देने वाली 195 में से 174 बालिकाएं लूणकरनसर ब्लॉक के 32 गांवों अलग-अलग गांवों से है। जबकि पूगल ब्लॉक के राजासर भाटियान, महादेववाली व गौरीसर की 21 बालिकाएं है। यहां लूणकरनसर तहसील मुख्यालय पर राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल के चार परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।

इसके बावजूद 250 किलोमीटर दूर इन बालिकाओं के लिए बज्जू मुख्यालय के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परीक्षा केन्द्र बनाना समझ से परे की बात है। अधिकांश बालिकाओं की परीक्षा 2 जुलाई से शुरू होगी। ऐसे में स्टेट ओपन बोर्ड की ओर से परीक्षा केन्द्र नजदीक बनाकर बालिकाओं के 10 वीं बोर्ड परीक्षा के सपनों को पूरा किया जा सकता है।

वन विभाग की जमीन से खोखे हटवाए

अनूपगढ़, (कासं)। रावला मंडी वन विभाग ने एक्सकेवेटर की मदद से रावला से डंडी मार्ग पर एक केपीडी के पास बुर्जी संख्या 11 के पास नहर और सड़क के बीच में बने दो अवैध खोखे हटा दिए।

सहायक वनपाल अनिता टांटिया ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के लिए क्षेत्रीय वन अधिकारी को पत्र लिखकर जाब्ता तथा एक्सेवेटर की मांग की गई है। जिस पर क्षेत्रीय वन अधिकारी अजय सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची और एक्सेवेटर की मदद से खोखों को हटवा दिया। इस दौरान वनपाल मक्खन मीणा, लक्ष्मी नारायण मीणा, सुनील कुमार, कविता बिश्नोई तथा होमगार्ड जवान सुर्वेन्द्र राजपूत मौजूद रहे।

कोटगेट फाटक समस्या समाधान के बिन्दुओं पर की चर्चा

- इस दौरान नागणेची रेल फाटक पर आरओबी बनाए जाने पर चर्चा की

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने शनिवार को रेलवे, पीडब्लयूडी, नगर निगम और यूआईटी के अधिकारियों के साथ कोटगेट रेलवे फाटक समस्या के समाधान सहित रेलवे से जुड़े अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की।

रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र स्थित जिला उद्योग संघ सभागार में आयोजित बैठक के दौरान विधायक ने कहा कि कोटगेट और सांखला फाटक पर प्रस्तावित आरयूबी के निर्माण से पूर्व यहां सीवर लाइन और पाइपलाइन की शिफ्टिंग तथा बरसात के दौरान आने वाले पानी के निस्तारण की ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि आरयूबी में भूमि अवाप्ति से जुड़े मामलों पर रविवार को जिला कलेक्टर और नगर विकास न्यास सचिव के साथ बैठक की जायेगी। उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। जयपुर प्रवास के दौरान उपमुख्यमंत्री और सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दीया कुमारी से भी इस संबंध में चर्चा की जायेगी।

इस दौरान नागणेची रेल फाटक पर आरओबी बनाए जाने पर चर्चा की। विधायक व्यास ने कहा कि पीडब्लयूडी द्वारा इससे जुड़ी फिजीबिलिटी रिपोर्ट उपलब्ध करवाई जाए। इसके आधार पर इसे रेलवे मुख्यालय को भिजवाया जायेगा। इसी प्रकार खान कॉलोनी में प्रस्तावित आरयूबी के लिए रेलवे और पीडब्लयूडी को संयुक्त सर्वे करने के निर्देश दिए।

लालगढ़ क्षेत्र में स्वीकृत दोनों अंडर पास का कार्य 15 अगस्त के बाद करवाए जाने की जानकारी रेलवे अधिकारियों द्वारा दी गई। इस दौरान चौखूटी और एमएस कॉलेज, रेलवे ओवरब्रिज के पास फुट ओवरब्रिज बनाने, रानी बाजार रेलवे अंडरब्रिज को कवर करने पर चर्चा की। बरसाती पानी निकासी की कार्यवाही के लिए भी कहा।

रेलवे के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम) एन.के. शर्मा ने बताया कि कोटगेट और सांखला फाटक आरयूबी की रेलवे से जुड़ी सभी तैयारियां कर ली गई हैं। अंडर ब्रिज को चारों ओर से कवर किया जाएगा। वहीं इनमें पम्प इंजन और सेंसर होंगे, जो बरसाती पानी के त्वरित निस्तारण में मददगार होंगे। जिला उद्‌योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने कहा कि रेलवे और राज्य सरकार के संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए इस समस्या से निजात दिलाएं। इस दौरान पीडब्लूडी के अधीक्षण अभियंता मुकेश गुप्ता, रेलवे के कनिष्ठ अभियंता मयंक रावत, रमजान खान तंवर, पीडब्लूडी के सहायक अभियंता विक्रम बिश्नोई, नरेश मित्तल, उद्‌यमी राजेश चूरा, वीरेंद्र किराडू, राजेंद्र शर्मा, पुनीत शर्मा और शैलेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

विराट एक विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। कोई भी खिलाड़ी इस तरह की फॉर्म से गुजर सकता है। हम सभी को उनका स्तर मालूम है और बड़े मैचों में हम उनके महत्व को समझते हैं। कोहली अच्छे दिख रहे हैं और उनका इरादा साफ दिख रहा हैं। - रोहित शर्मा

भारतीय कप्तान, विराट कोहली के हालिया फॉर्म पर कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ शेफाली वर्मा

भारतीय महिला टीम की धाकड़ ओपनर बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ कमाल कर दिया है। शेफाली ने ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाली खिलाड़ी बन गयी। भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जिसमें शेफाली ने 197 गेदों पर 205 रनों की पारी खेली है। वही शेफाली भारत के तरफ से 22 सालों बाद टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

17 साल बाद भारत फिर बना टी-20 का शहंशाह

विराट जीत पर भारत को हार्दिक बधाई

आखिरी 30 गेदें में 30 रन नहीं बना सका द. अफ्रीका, 7 रनों से भारत ने मुकाबला जीता

विराट कोहली ने बड़े मैच में बड़े प्लेयर की भूमिका निभाई, 76 रन ठोके

बारबाडोस, 29 जून। एक अरब 40 करोड़ भारतीयों की दुआओं और उम्मीदों पर खरा उतरते हुये रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने एकजुटता,साहस और संयम के तालमेल का अदभुद प्रदर्शन करते हुये शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हरा कर टी20 विश्वकप 17 साल बाद भारत की झोली में डाल दिया। इससे पहले भारत के हाथ आईसीसी एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2011 में आया था जिसके बाद भारत ने 2013 में चैंपियंस ट्राफी अपने नाम की थी। इस लिहाज से भारत के हाथ 11 साल बाद कोई आईसीसी ट्राफी हाथ आयी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिये यह विश्वकप काफी अहम था क्योंकि दोनो ही दिग्गज खिलाड़ी जल्द ही टी20 फार्मेट से सन्यास ले सकते हैं। कोच राहुल द्रविड़ के लिये भी यह विश्वकप काफी मायने रखता था। द्रविड़ की कप्तानी भारत 2007 में एक दिवसीय विश्वकप में ठ्ठुप चरण में ही बाहर हो गया था।

भारत ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुये सात विकेट पर 176 रन बनाये जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना सकी। 17 साल बाद यह पहला मौका है जब भारत ने टी20 विश्वकप को अपने नाम किया है। इससे पहले महेन्द्र सिंह धोनी की अगुवाई में 2007 में भारत ने पहली बार टी20 का विश्वकप जीता था। हाइनरिक क्लासन (52) और डेविड मिलर (21) की जाबांज बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका आसानी से भारत द्वारा दिये गये लक्ष्य के करीब पहुंच रहा था और उसे 30 गेंदों पर 30 रन की दरकार थी। इस नाजुक मौके पर हार्दिक पांड्या (20 रन पर तीन विकेट) ने क्लासन का विकेट चटका कर भारत की उम्मीदों को हवा दी जिसके बाद सूर्य कुमार यादव ने हार्दिक की गेंद पर डेविड मिलर का बाउंड्री लाइन पर एक बेहतरीन कैच पकड़ कर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। विराट कोहली (76) की सूझबूझ भरी अर्धशतकीय पारी और अक्षर पटेल (47) के साथ 72 रनों की महत्वपूर्ण भागीदारी की मदद से भारत ने सात विकेट पर 176 रनो का स्कोर खड़ा किया। लगभग पूरे टूर्नामेंट में खामोश रहने वाला विराट का बल्ला आज खिताबी मुकाबले में जम कर दहाड़ा। विराट ने मार्क्रा जानसन के पहले ओवर में तीन चौके लगाकर अपने इरादों का इजहार किया। भारत ने पहले ओवर में 15 रन जुटाये,उस समय लग रहा था कि इस पिच पर 200 से ऊपर का स्कोर खड़ा हो सकेगा मगर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी करते हुये पहले पावर प्ले में ही भारत के तीन महत्वपूर्ण विकेट रोहित शर्मा (9), ऋषभ पंत (0) और सूर्यकुमार यादव (3) का विकेट झटक कर नीली जर्सी वाली टीम को बैकफुट पर धकेल दिया और मैदान पर सन्नाटा छा गया।

अन्नू रानी ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण पदक

पंचकुला, 29 जून। एशियाई खेलों की चैंपियन अन्नू रानी ने नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में शुक्रवार को यहां महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता अन्नू रानी ने पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए अपने तीसरे प्रयास में 57.70 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। 31 वर्षीय खिलाड़ी के नाम 63.82 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी दर्ज है, जिसे उन्होंने साल 2022 में जमशेदपुर में अपने नाम किया था।

इंटर-स्टेट मीट 30 जून को विंडो बंद होने से पहले भारतीय एथलीटों के लिए पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफाइंग इवेंट है। वहीं, अन्नू रानी क्वालीफाइंग पीरियड में 64 मीटर की महिलाओं की भाला फेंक में ओलंपिक क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करने में विफल रही हैं।

हालांकि, अन्नू रोड टू पेरिस रैंकिंग में 19वें स्थान पर हैं। रोड ऑफ पेरिस रैंकिंग में भाला फेंक में शीर्ष 32 योग्य एथलीट ओलंपिक कोटा प्राप्त करेंगे जब क्वलिफिकेशन विंडो और रैंकिंग अवधि 30 जून को समाप्त होगी।

गौरतलब है कि एथलीट या तो प्रवेश मानक को पूरा करके या रैंकिंग के माध्यम से अपने देश के लिए पेरिस 2024 कोटा प्राप्त कर सकते हैं। गुरुवार को महिलाओं की 400 मीटर सेमीफाइनल में 50.92 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ पेरिस 2024 ओलंपिक प्रवेश मानक को पूरा करने वाली किरण पहल ने फाइनल मुकाबले में स्वर्ण पदक जीतने के लिए अपने प्रदर्शन की बराबरी की। उनके बाद पोडियम पर दीपांशी (52.01 सेकेंड) और ज्योतिका श्री दांडी (52.11 सेकंड) रहीं। भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन ने महिलाओं की 400 मीटर में विथ्या रामराज, प्राची, एमआर पूवामा, रूपल और ऐश्वर्या मिश्रा के लिए पांच अलग-अलग ट्रायल आयोजित किए थे।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल कराने के लिए आईओए का किया समर्थन

नयी दिल्ली, 29 जून। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के प्रस्ताव का समर्थन किया है। मांडविया ने एक बयान में कहा ,'' योग की

अप्रतिम लोकप्रियता को देखते हुए इसे प्रतिस्पर्धी खेलों का दर्जा देकर एशियाई खेलों में शामिल किया जाना चाहिये।'' उषा ने एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह को 26 जून को पत्र लिखकर योग को एक खेल के रूप में एशियाई खेलों में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। मांडविया ने कहा ,'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किये जाने के लिये काफी मेहनत की है। योग को लोकप्रिय बनाने में भारत अग्रणी रहा है और हमने इसे खेलो इंडिया युवा खेलों में प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया।

भारतीय महिला हॉकी टीम के 33 संभावित सदस्यों का ऐलान

बेंगलुरु, 29 जून। हॉकी इंडिया ने शनिवार को 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। टीम के सदस्य एक जुलाई से 31 अगस्त तक साई बेंगलुरु में राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर में हिस्सा लेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम लंदन और एंटवर्प में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 सीज़न के समापन के बाद एक छोटे ब्रेक के बाद वापस लौटेगी। टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में कप्तान सलीमा टेटे और उपकप्तान नवनीत कौर के नेतृत्व में टीम ने एफआईएच प्रो लीग में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ करीबी मुकाबलों में संघर्ष किया। शॉर्टलिस्ट की गई टीम में गोलकीपर सविता, बिचू देवी खारीबाम, बंसारी सोलंकी और माधुरी किंडो शामिल हैं। रक्षकों में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, रोपनी कुमारी, महिमा चौधरी, ज्योति छत्री और प्रीति हैं वहीं सलीमा टेटे, मरीना लालरामनघाकी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, ज्योति, एडुला ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, अजमीना कुजूर मिडफील्डर की भूमिका में हैं। फारवर्ड में सुनेलिता टोप्पो, मुमताज खान, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, दीपिका सोरेंग, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया और रुतुजा दादासो पिसल हैं। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमने हाल ही में प्रो लीग के यूरोप चरण के लिए एंटवर्प और लंदन की यात्रा की। हालांकि परिणाम हमारे पक्ष में नहीं थे लेकिन हमने एक टीम के रूप में बहुत कुछ सीखा। कई अवसरों पर, हम अग्रणी थे और हमने कई मुकाबलों को रोमांचक बनाया। पुनर्निर्माण के शुरुआती चरणों में ये अच्छे संकेत हैं, और मुझे यकीन है कि भारतीय महिला हॉकी टीम भविष्य में एक ताकत बनेगी।

पानागियोटिस दिलमपेरिस पंजाब एफसी के नये मुख्य कोच नियुक्त

मोहाली, 29 जून। पंजाब एफसी (पीएफसी) ने आगामी आईएसएल 2024-25 सत्र के लिए पानागियोटिस दिलमपेरिस को हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। कोस्टान्टिनोस कात्सारास सहायक कोच के रूप में और पपाईओन्नू योनिस स्ट्रेंथ कंडीशनिंग कोच के रूप में उनके साथ जुड़ेंगे। पीएफसी से पहले दिलमपेरिस पिछले सत्र में एई एरमियोनिडा एफसी के हेड कोच के रूप में कार्यरत थे। उनके 15 साल के विस्तृत कोचिंग करियर में इराकलिस लारिसास एफसी, रोचेस्टर एनवाई एफसी, पंसेराइकॉस एफसी सहित अन्य प्रमुख टीमों के साथ कोचिंग शामिल है। कोचिंग की शुरुआत से पहले, दिलमपेरिस ने एक गोलकीपर के रूप में 17 साल का विशिष्ट खेल करियर जिया, जिसमें उन्होंने इराकलिस एफसी और एग्रोतिकोस एस्टेरास जैसे क्लबों का प्रतिनिधित्व किया, साथ ही कई अन्य क्लबों के लिए भी खेले। उनके खेल और कोचिंग करियर का समृद्ध अनुभव पीएफसी को आगामी सीजन में नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सहायक कोच कोस्टान्टिनोस कात्सारास ने 20 साल से अधिक के अपने कोचिंग करियर में ग्रीस के विभिन्न क्लबों में कोचिंग की है।

भारत ने बनाया विमेंस टेस्ट का सबसे बड़ा टीम स्कोर, 603 पर पारी घोषित की

भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर कसा शिकंजा

चेन्नई, 29 जून। बल्लेबाजी के लिये मुफीद चेपॉक की सपाट पिच भारत की पहली पारी के विशाल स्कोर (छह विकेट पर 603 पारी घोषित) का पीछा करते हुये मेहमान दक्षिण अफ्रीका ने मैच के दूसरे दिन शनिवार को अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 236 रन बना लिये। दक्षिण अफ्रीका अभी भी भारत की पहली पारी के स्कोर से 367 रन पीछे है और दिन का खेल खत्म होने के समय मरीजान काप 69 और नडीन डी क्लर्क 27 रन बनाकर क्रीज पर डटी हुयी थीं। भारत की कोशिश मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका के बचे छह विकेट सुबह के सत्र में लेने की होगी ताकि बड़ी लीड लेकर मेहमानों पर दवाब बनाया जा सके। तीसरे दिन से पिच का मिजाज भी गेंदबाजों को मदद पहुंचाने वाला होने की संभावना है। आज के खेल में स्नेह राणा की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी का मुजाहिरा किया जिससे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को खुल कर खेलने का मौका नहीं मिला। राणा अब तक 61 रन देकर दक्षिण अफ्रीका के तीन बल्लेबाजों को विदा कर चुकी थीं जबकि दीप्ति शर्मा ने 40 रन खर्च कर सुने लूस (65) का अहम विकेट उस समय झटका जब लूस और काप की साझीदारी परिपक्व होकर भारत के पहली पारी का आसानी से पीछा कर रही थी। इससे पहले भारत ने अपने कल के स्कोर चार विकेट पर 525 रन से आगे खेलते हुये तेज गति से रन बटोरे। हरमनप्रीत कौर (69) आज आउट होने वाली पहली बल्लेबाज बनी जबकि कुछ देर बाद शतक की ओर बढ़ रही ऋचा घोष (86) का अहम विकेट म्लाबा ने झटका जिसके बाद कप्तान ने पारी समाप्ति की घोषणा कर दी।

प्रज्ञानानंदा ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में गुकेश से ड्रॉ खेला

बुकारेस्ट, 29 जून। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा तीसरे दौर में हमवतन डी गुकेश से ड्रा खेलने के बाद सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त हासिल करने से चूक गये। टूर्नामेंट में तीन दिन में पहली बार 10 खिलाड़ियों के डबल राउंड रोबिन में सभी पांच मैच ड्रा रहे। अभी 350000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में छह दौर बाकी हैं। सभी ड्रा से बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ी के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुकेश अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। दोनों के दो अंक हैं। कारूआना ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रा खेला। मैक्सिम वाचियर लाग्रेव ने अलीरेजा फिरौजा से अंक बांटे। इससे वाचियर लाग्रेव, प्रज्ञानानंदा, अलीरेजा, वेस्ले सो, अनीष गिरी और इयान नपोमनियाच्ची 1.5 अंक लेकर संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। गिरी और नेपोमनियाच्ची के बीच बाजी ड्रा रही।

कोपा कप : कोस्टा रिका को 3-0 से हराकर कोलंबिया क्वार्टरफाइनल में पहुंचा

ग्लेनडाले, 29 जून। डेविंसन सांचेज और जॉन कोर्डोबा ने दूसरे हाफ में तीन मिनट के अंदर गोल किये जिससे कोलंबिया ने कोस्टा रिका पर 3-0 से जीत के साथ कोपा अमेरिका कप 2024 फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। कोलंबिया ने ग्रुप डी मैच की शुरुआत से ही दबदबा कायम किया। लुइस डाज ने पेनल्टी को गोल में बदल कर टीम को 31वें मिनट में बढ़त दिला दी. सांचेज और कोर्डोबा ने दूसरे हाफ में मैच के 59वें और 62वें मिनट में गोल कर टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। कोलंबिया के सामने अब मंगलवार को खेले जाने वाले ग्रुप मैच में ब्राजील की चुनौती होगी। क्वालीफायर 2022 में अर्जेंटीना से हारने के बाद कोलंबिया की यह 25 मैचों में यह कुल 20वीं जबकि लगातार 10वीं जीत है। टीम ने इस दौरान पांच मैच ड्रॉ खेले हैं। कोस्टा रिका की टीम पूरे मैच में एक बार भी कोलंबिया की रक्षा पंक्ति को नहीं भेद सकी।

राजधानी

भाजपा के प्रदेश विस्तारकों ने क्षेत्र में काम करते हुए बनाई नई पहचान : भजनलाल शर्मा

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज विस्तारक समापन बैठक आयोजित की गई। भाजपा राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने कहा कि भाजपा के लोकसभा और विधानसभा विस्तारकों ने पार्टी की विचारधारा के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर कार्य किया है। ऐसे में प्रत्येक विस्तारक के अनुभव और उसके सुझाव पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। भाजपा की रिति और नीति के अनुसार कार्य की शुरूआत से लेकर उसके अंतिम चरण तक की भूमिका तैयार की जाती है और कार्य को अंजाम देने के बाद कार्य की समीक्षा भी की जाती है। बीएल संतोष ने भाजपा के प्रत्येक विस्तारक के साथ उसके अनुभव, सुझाव और कार्य के दौरान क्या नवाचार मिला, इसकी विस्तार से चर्चा की।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने विस्तारक कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा ने विधानसभा चुनावों तथा लोकसभा चुनावों में विस्तारकों का चयन किया। प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में प्रत्येक विस्तारक ने अपने समय का दान करते हुए कड़ी मेहनत की और भाजपा की विचारधारा को मजबूत करने के लिए बेहतर प्रयास किया। केंद्र और प्रदेश ईकाई की ओर से भाजपा के विस्तारक को दिए गए टास्क को समय पर पुरा किया।

देश की अन्य पार्टियों में व्यक्ति विशेष चुनाव लडता है, जबकि भाजपा में कमल के फूल के लिए चुनाव लड़ा जाता है। प्रदेश के प्रत्येक विस्तारकों ने मेहनत और मजबूती के साथ कमल के फूल के लिए काम किया। विस्तारक समापन बैठक को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी में काम करते है तो काम होने के साथ ही व्यक्ति की पहचान भी बनती है। भाजपा के प्रदेश विस्तारकों ने क्षेत्र में काम करते हुए पार्टी को समय दिया, इससे पार्टी का कार्य होने के साथ ही विस्तारकों की नई पहचान भी बनी है।

प्रदेश के प्रत्येक विस्तारक ने पूर्ण रूप से मन और भाव से काम किया। इससे पार्टी एवं संगठन जमीनी स्तर पर भी मजबूत हुआ है। भाजपा का कार्य राष्ट्र का कार्य, और भाजपा ही ऐसी पार्टी है जहां राष्ट्र को प्रथम मानकर कार्य किया जाता है। बैठक में भाजपा चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे ने भी विस्तारकों से चर्चा की और विस्तारकों के अनुभवों को लेखबद्ध करने की अपील की। विस्तारक कार्यक्रम संयोजक राजेश गुर्जर ने मंच संचालन किया। इस दौरान प्रदेश की सभी लोकसभा के साथ विधानसभा के विस्तारक मौजूद रहे।बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में भाजपा के विस्तारकों ने अपने अनुभव साझा किए।

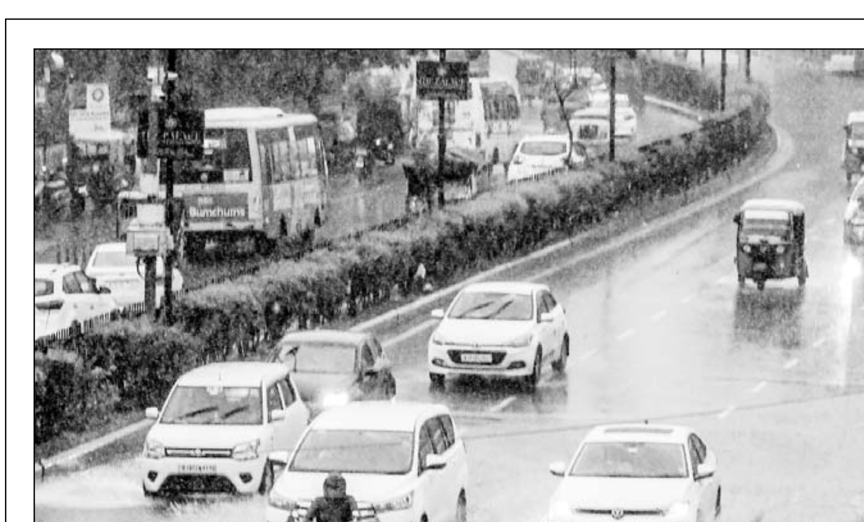

मानसून की आवक के साथ ही शनिवार को सुबह से ही जयपुर में काले-काले बादलों की आवाजाही लगी रही। शाम होते-होते तेज बारिश के कारण सड़कों पर पानी ही पानी भर गया।

नीतीश ने बिहार के विधानसभा चुनावों की बिसात बिछाई

जद (यू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नीतीश के चतुर दांव ने भाजपा की मुश्किल बढ़ाई

- नीतीश ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग पुनः दोहराई और केन्द्र सरकार से इस बारे में आग्रह किया और अति पिछड़ों को दिए गए आरक्षण को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी रखी।
- नीतीश की ये दोनों मांगें आश्चर्यजनक नहीं हैं पर इससे उन्होंने संकेत दे दिया है कि, बिहार में एन.डी.ए. के एकछत्र नेता वही हैं।
- मोदी सरकार के लिए नीतीश की ये दोनों मांगें, खासकर आरक्षण कोटा संबंधी मांग को मानना मुश्किल होगा, क्योंकि ऐसा करने से अन्य राज्य भी यही मांग करने लगेंगे।
- नीतीश, मोदी सरकार की दुविधा को जानते हैं, इसलिए वे विधानसभा चुनाव करवाने की मांग पर भी जो दे रहे हैं, ताकि, आरक्षण की बात करके उन्होंने जो वोट बैंक तैयार किया है उसे कहीं राजद न हथिया ले।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनके राज्य को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की मांग पुनः दोहराई तथा बिहार सरकार के द्वारा आरक्षण के कोटा में की गई बढ़ोतरी को संविधान की नौंवी अनुसूची में शामिल करने की मांग पर जोर दिया है। ऐसी मांग करके उन्होंने अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के अपनी पार्टी की रणनीतिक योजना पेश कर दी है और इसके साथ ही भाजपा के लिए एक चुनौती खड़ी कर दी है। आज दिल्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक अहम बैठक में, पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय झा को भी पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया।

कुमार द्वारा उठाई गई दोनों मांगों में कोई नई बात नहीं है क्योंकि इन बातों से भी यह संकेत मिलता है कि वे बिहार में एन.डी.ए. गठबंधन में निर्विवाद नेता के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखना चाहते हैं। कुछ दिन पहले से, प्रदेश भाजपा के कुछ नेतागण यह मांग करते आ रहे हैं कि पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों में अकेले चुनाव लड़ना चाहिए। कुमार ने विशेष श्रेणी का दर्जा देने की मांग दोहराकर भाजपा के उस खेमे को भी प्रभाव शून्य करने की कोशिश की है जो उनका विरोध करता है यही नहीं इससे भाजपा नेतृत्व भी रक्षात्मक मुद्रा में आ जाएगा।

भाजपा सहित सभी राजनीतिक दलों ने कुमार सरकार के उस प्रस्तावित संकल्प का समर्थन किया था जिसमें राज्य को विशेष श्रेणी का दर्जा मंजूर किया गया था। बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की मांग को लेकर कुमार पिछले कार्यकाल में भी एक सर्वदलीय प्रतिनिधि मण्डल लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास गये थे। इसलिए भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस मांग को सीधे तौर पर मुश्किल से ही नकार पाएगा।

एन.डी.ए. की नवगठित सरकार के लिए जे.डी.यू. की यह मांग स्वीकार करना भी काफी मुश्किल है जिसमें प्रदेश सरकार ने आरक्षण कोटा को 65 प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्णय लिया है और इसे संविधान की नौंवी अनुसूचि में शामिल करने की मांग की है। एक बार यह कार्य हो जाता है तो राज्य सरकार के निर्णय को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती है। मान लो यह कर दिया जाता है तो ऐसी ही मांगें अन्य राज्य सरकारों द्वारा भी उठाई जाएगी। संभावना है कि आर.जे.डी. नेता तेजस्वी यादव आगामी कुछ महीनों में इस मुद्दे पर जबरदस्त दांव खेलेंगे। कुमार चाहते हैं कि प्रदेश में चुनाव जल्दी हो, क्योंकि उन्हें डर है कि आरक्षण के मुद्दे के समाधान में विलम्ब होने से तेजस्वी व उनकी पार्टी आर.जे.डी. को उनके द्वारा अति पिछड़ा समुदाय (ई.बी.सी.) के लोगों में सुनियोजित मेहनत कर बनाए गए वोट बैंक को तोड़ने में तेजस्वी व उनकी पार्टी को मदद मिलेगी। अतः यह अति महत्वपूर्ण है कि आरक्षण पर कुमार के दावे स्पष्ट और पारदर्शी कार्य योजनाओं द्वारा समर्थित हैं।

जयराम रमेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"आंध्र प्रदेश के बारे में अभी तक संकल्प पारित क्यों नहीं किया गया है जबकि नए प्रधानमंत्री ने 30 अप्रेल को धार्मिक शहर तिरुपति में पुरजोर तरीके से इसका वादा किया था।"

जे.डी. (यू) व टी.डी.पी. ने भाजपा की लोकसभा सीटों की संख्या इस शर्त पर बढ़ाने के लिए समझौता किया था कि प्रधानमंत्री मोदी उनके दोनों प्रदेशों के लिए विशेष राज्य का दर्जा घोषित करेंगे।

जयराम ने निशाना साधा कि, नीतीश कुमार एवं एन. चन्द्रबाबू नायडू उनके राज्य के लिए विशेष दर्जा देने की मांग करने से अब शर्मा रहे हैं।

बंगाल के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग पर ना केवल विराम लगाने की कोशिश की बल्कि एक तरह से प्रधानमंत्री के इस वादे की पोल खोल दी कि वे सहयोगात्मक संघवाद के मार्ग पर चल रहे हैं। आरोप था कि एन.डी.ए. सरकार ने विभिन्न राज्यों की गैर-भाजपा सरकारों को राज्यपाल की शक्तियों से सत्ता से बेदखल किया। इसी तरह से, दिल्ली में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई सरकार और लैफ्टिनैंट गवर्नर नजीब जंग के बीच वर्ष 2015 और 2016 में एक सत्ता संघर्ष देखने को मिला। केन्द्र ने लैफ्टिनैंट गवर्नर कार्यालय के जरिए केजरीवाल सरकार के प्रशासन में अवरोध डालने जारी रखे। नजीब जंग के बाद केन्द्र सरकार ने अनिल बैजल और फिर वर्ष 2022 में वी.के. सक्सेना को लैफ्टिनैंट गवर्नर बनाया।

युवाओं के हितों पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के अवसर उपलब्ध करवाने के साथ ही खेल प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए संभाग स्तर पर खेल सुविधाएं विकसित हो रही हैं ताकि "मिशन ओलंपिक" के लिए युवाओं को प्रतिस्पर्धी माहौल और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध हो सकें।

शर्मा ने कहा कि, युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए विभागों में रिक्त पदों एवं सेवानिवृत्ति के बाद रिक्त पदों का कलेण्डर बनाकर भर्तियां आयोजित की जाएंगी। इस वर्ष विभिन्न राजकीय सेवाओं के 70 हजार पदों पर भर्तियां की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रदेश में युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में प्रदेश में जैम्स एवं ज्वेलरी पार्क, भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर तथा हैंडीक्राफ्ट पार्क स्थापित किए जाएंगे। पर्यटन, निर्माण, सेवा, एमएसएमई, कृषि, गैर-परंपरागत ऊर्जा में निवेश एवं ढांचागत सुधारों के जरिये प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, स्किल डवलपमेंट के माध्यम से युवाओं में कौशल संवर्द्धन किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि, भर्ती प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा करने वाले सावधान रहें, क्योंकि प्रदेश में सरकार बदल गई है और युवाओं के हितों पर कुठाराघात करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने पेपरलीक मामलों की त्वरित जांच के लिए एसआईटी का गठन किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

राजकीय सेवाओं में नवनियुक्त कार्मिकों से संवाद के दौरान प्रशिक्षु आरएएस अधिकारी आकांक्षा दुबे ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन का हिस्सा बनकर गौरवान्वित महसूस हो रहा है। सरकार के विभागों में नौकरी पाने वाले कई अन्य ने भी मुख्यमंत्री का आभार जताया और अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

कार्यक्रम में कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ भी थे, उन्होंने कहा कि राजकीय सेवाओं में नवनियुक्त कार्मिक मेहनत एवं लगन से समाज और जरूरतमंद की मदद करके सकारात्मक परिवर्तन लाएं।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजकीय सेवा में आकर जनता की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सकता है। उन्हें उम्मीद की है कि नवनियुक्त कार्मिक अच्छा कार्य करेंगे।

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ऐतिहासिक फैसला लिया गया और मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन किया गया है। इस आयोजन से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं को राजकीय सेवाओं में आने की प्रेरणा मिलेगी।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि, राजकीय सेवा में काम करते हुए नवनियुक्त कार्मिक कड़ी मेहनत एवं ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह, प्रमुख शासन सचिव कार्मिक हेमन्त गेरा, कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग के शासन सचिव पी.सी. किशन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में नवनियुक्त कार्मिक उपस्थित हुए और सभी जिला मुख्यालयों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं नवनियुक्त कार्मिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

लद्दाख: अभ्यास...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में यह नदी है जिसमें अभ्यास से पहले पानी ज्यादा नहीं था। अधिकारीयों का कहना है कि राहत और बचाव का काम तत्काल शुरू कर दिया गया है। बाकी चार जवानों के शवों का भी तलाशी अभियान चलाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा, लद्दाख में नदी पार करते समय टैंक पर सवार सेना के पांच जवानों की मौत होने की घटना से गहरा दुख हुआ है। हम अपने बहादुर जवानों की अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे।

बीते साल लद्दाख में सेना का एक वाहन खाई में गिर गया था। इसमें नौ जवानों की मौत हो गई थी। बताते चलें कि पहाड़ी नदियों में कई बार बादल फटने या फिर भूस्खलन होने की वजह से अचानक जल स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में बड़ा हादसा हो जाता है। जानकारी के मुताबिक मारे गए जवानों में एक जेसीओ शामिल है।

कमला हैरिस जीतीं अमेरिका का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- दूसरा विकल्प, डॉनल्ड ट्रम्प को न्यूयॉर्क के न्यायालय ने 35 घटनाओं में दोषी करार दिया, कोर्ट का मानना है कि, कई मुद्दों पर उन्होंने झूठ बोला।
- अतः दोनों बड़ी पार्टियों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों में विश्वास नहीं बन रहा है कि, वे योग्य व सक्षम राष्ट्रपति सिद्ध होंगे, तो आम सहमति यह बनती नज़र आ रही है कि, किसी युवा राजनीतिज्ञ को क्यों न राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार प्रोजैक्ट किया जाये और इस दौड़ में भारतीय मूल की कमला हैरिस का नाम सबसे आगे है। कहा जा सकता है कि, उप राष्ट्रपति कमला हैरिस "प्रैसिडेन्सियल डिबेट" की असली विजेता हैं।

जता दिया कि, वो बहुत ज्यादा बूढ़े हैं और अमेरिकन फोर्सेस के सुप्रीम कमाण्डर का कर्तव्य निभाने के काबिल नहीं है। उदाहरण के लिए किसी एमरजैंसी में रात में तीन बजे उन्हें कोई अत्यधिक महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़े तो शायद वो ना कर पाएं।

बाइडन ने दावा किया कि, उन्होंने 15,000 रोजगार सृजित किए। जबकि, पर्यवेक्षकों का कहना है कि करीब डेढ़ करोड़ रोजगार सृजित हुए है। बाइडन ने कहा कि, वरिष्ठ नागरिकों को दो सौ डॉलर मैडिकल सहयोग मिलता है, जबकि वास्तव में दो हज़ार डॉलर की मैडिकल सहायता मिलती है। उन्होंने आंकड़े पूरी तरह उलट-पलट कर दिए।

सी.एन.एन. द्वारा आयोजित डिबेट के बाद, डैमोक्रैटिक पार्टी, जिसके राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडन है, अब सोच रही है कि, बहुत देर हो जाए उससे पहली ही क्या उसे अभी ही अपना प्रत्याशी बदल लेना चाहिए।

स्वाभाविक ही है कि, इस स्थिति में कई नामों पर चर्चा हो रही है। कुछ डैमोक्रैट्स बाइडन की जगह कमला हैरिस को लाने की बात कर रहे हैं। तथापि, एक सच्ची पार्टी निष्ठावान की तरह कमला हैरिस पहले ही कह चुकी हैं कि, डिबेट में बाइडन का प्रदर्शन अच्छा था। अधिकांश श्रेताओं की शिकायत थी कि बाइडन की बातचीत के स्वर दबे हुए, दुर्बोध और भ्रामक हैं। यूरोप के एक कूटनीतिक ने कहा कि अपनी अंग्रेजी अच्छी होने के बावजूद वे बाइडन का बातों का शायद ही कोई अर्थ निकाल सके।

दूसरी ट्रम्प, दृढ़, पूर्व तैयारी के साथ और अपने विषयों में पूरी पकड़ रखते प्रतीत हुए। पूर्व परिचर्चाओं के विपरीत वे ना तो चिल्लाए, ना ही उन्होंने कोई ताना मारा या अपने विषय से भटके ताकि बाइडन को यह कहने का कोई मौका ना मिले कि "आप चुप रहिए।"

एक पर्यवेक्षक, जो कि रिपब्लिकन नहीं था, ने ध्यान दिलाया कि ट्रम्प ने मार्केटिंग की अपनी विशिष्ट प्रतिभा दर्शायी। ट्रम्प से जब 6 जनवरी की घटनाओं से लेकर प्रश्न पूछे गए जिसमें उनके भड़काने पर यू.एस. कैपिटोल, सीनेटर और कानून निर्माताओं पर हमले किए थे, तो उन्होंने कहा कि 6 जनवरी को अमेरिका दुनिया के शीर्ष पर था, हमेशा की तुलना में अर्थव्यवस्था की स्थिति बेहतर थी, टैक्स कम थे, कीमतें स्थिर थी और अमेरिका की पूरी दुनिया में प्रशंसा हो रही थी। ट्रम्प की स्थिति कमजोर थी। उन्हें न्यूयॉर्क की एक कोर्ट में हाल ही 35 इल्ज़ामों में महा-अपराध का दोषी माना गया, तथापि वे कई मुद्दों पर झूठ बोले और यहां तक कि उन्होंने इससे भी इन्कार किया कि उन्होंने कभी किसी पॉर्न स्टार के साथ यौन सम्बंध बनाए थे। इस सैक्स स्कैण्डल पर कोर्ट पहले ही सुनवाई कर चुके हैं जो उनके खिलाफ गई है। इस बात के प्रमाण हैं कि शिकायतकर्ता पॉर्न स्टार को अपना मुंह बंद रखने के लिए पैसा दिया गया था।

ट्रम्प मुस्तैद भी थे और उन्होंने गर्भपात के अमेरिकी महिलाओं के अधिकार के एक ज्वलंत मुद्दे पर सूक्ष्मभेद वाला रुख अख्तियार किया। चूंकि ट्रम्प गर्भपात के अधिकार का विरोध करते रहे थे, इसलिए उन्होंने इस बार यह जानते हुए कि पुराना कड़ा रुख उन्हें वोट नहीं दिला पाएगा, अपने रुख में संशोधन किया है।

यह परिचर्चा, पूरी दुनिया और कूटनीतिकों के बीच आकर्षण का केन्द्र रही क्योंकि अमेरिका के चुनाव परिणाम वैश्विक संबंधों पर एक अर्थपूर्ण प्रभाव डालेंगे। यूरोप के कूटनीतिक इस डिबेट को गौर से सुनते रहे और अब उन्होंने बाइडन के प्रदर्शन को लेकर सार्वजनिक रुप से निराशा प्रकट कर दी है।

इस परिचर्चा को यदि राष्ट्रपति चुनाव का एक पूर्व सूचक माना जाए तो बाइडन के खिलाफ एक तगड़ी बिसात बिछ चुकी है। पता चला है कि रुस के टीकाकार इस परिचर्चा को लेकर खुश हैं और उन्होंने राष्ट्रपति बाइडन को अपना संयम बरकरार रखने के लिए एक व्यंग्यपूर्ण बधाई दी है। दूसरी तरफ लगता है कि ट्रम्प ने रशियन्स के साथ मित्रता कर ली है।

ट्रम्प ने सार्वजनिक रुप से दावा किया कि अमेरिका ने यूक्रेन को अब तक इतने फण्ड्स दिए हैं जितने यूरोप के पूरे देशों ने मिलाकर भी नहीं दिए होंगे। यह एक झूठ है और यूक्रेन के लोग इस डिबेट को लेकर निराश हैं। यदि ट्रम्प चुनाव जीतते हैं तो यूक्रेन निश्चित रुप से अमेरिका का सम्पूर्ण समर्थन खो देगा और रुस सफल हो जाएगा।

ट्रम्प ने अपने पुराने अंदाज में "नाटो" को नीचा दिखाना जारी रखा। उन्होंने धमकी दी कि यदि वे फिर से सत्ता में आए तो अमेरिका की नाटो से सम्बद्धता समाप्त कर देंगे। यूरोप इस विचार के साथ जीवित रहने के बारे में सोच रहा है, खासतौर पर उस स्थिति में, जबकि उसका सामना शत्रुतापूर्ण रुस से है, जो पश्चिमी यूरोप को प्रत्यक्ष चुनौती दे रहा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अब किसी मूल्य आधारित व्यक्ति को राष्ट्रपति चुनने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उनका कहना है किसी ऐसे व्यक्ति को चुनिए जिसने स्वयं के लिए नहीं बल्कि सार्वजनिक हित में काम किया हो।

दो क्लासमेट्स बनेंगे भारत की दो सेनाओं के प्रमुख

नई दिल्ली, 29 मई। देश के सैन्य इतिहास में ऐसा पहली बार होगा, जब 2 क्लासमेट (लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी) भारतीय सेना और नौसेना के प्रमुख बनेंगे। मध्य प्रदेश के सैनिक स्कूल, रीवा से दोनों की पढ़ाई-लिखाई हुई है। उपेंद्र द्विवेदी कक्षा 5वीं-ए से स्कूल में एक साथ थे। यह 1970 के दशक के शुरुआत की बात है। खास बात यह भी है कि दोनों अधिकारियों के रोल नंबर एक-दूसरे के आसपास थे।

मु.मंत्री भजनलाल भाजपा कोर कमेटी की बैठक में शामिल हुए

- भाजपा कार्यालय में हुई इस बैठक में, लोकसभा चुनावों में कुछ सीटों पर मिली हार के कारणों की समीक्षा तथा उप चुनाव पर चर्चा हुई।

जयपुर, 29 जून (का.सं.)। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में शनिवार देर शाम को कोर कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश सहप्रभारी विजया राहटकर, प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर, केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ सहित भाजपा नेता शामिल हुए।

भाजपा कोर कमेटी की यह बैठक लोकसभा चुनाव के बाद पहली बैठक है। इस बैठक में प्रदेश की लोकसभा सीटों पर चुनावों में हुई हार के कारणों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही बैठक में, प्रदेश की जिन 5 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उन पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा एक अन्य बैठक में, प्रदेश में एक राज्यसभा सीट खाली होने के बारे में चर्चा की गई।

दिल्ली की बारिश जानलेवा बनी, 12 लोगों की मौत

- पहली ही बारिश में दिल्ली का हाल खराब हो गया है तथा मौसम विभाग ने दिल्ली में अभी और बारिश की चेतावनी दी है।
- आई.एम.डी. ने अगले चार दिन तक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। गत शुक्रवार को बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में चार-चार फुट पानी भर गया था।

नई दिल्ली, 29 जून। दिल्ली में भारी बारिश ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। जगह-जगह जमा पानी जानलेवा साबित हो रहा है। सिराजपुर अंडरपास के पास शनिवार को दो लड़कों की डूबकर मौत हो गई। वहीं ओखला अंडरपास से गुजरने की कोशिश कर रहे एक शख्स की मौत हो गई। इसके साथ दिल्ली में बारिश से संबंधित घटनाओं में कुल 12 लोगों की भी मौत हो गई है। मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली में बारिश अभी थमने वाली नहीं है। आईएमडी ने अगले चार दिन तक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

ओखला अंडरपास में शनिवार को एक शख्स की डूबकर मौत हो गई। बताया जाता है कि पुलिस स्टेशन ओखला औद्योगिक क्षेत्र सूचना मिली की एक शख्स पानी में डूब गया है। पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि एक व्यक्ति बेहोश होकर पानी में डूबा हुआ है। मृतक स्कूटर चला रहा था। व्यक्ति को एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस इस मामले में कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, सिरसपुर अंडरपास के पास एक 12 साल के लड़के के डूबने की सूचना 02.25 बजे पुलिस थाना बादली को मिली। इसके बाद मौके पर एक टीम को रवाना कर दिया गया। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि मेट्रो के पास अंडरपास में करीब 2.5-3 फुट तक पानी भरा हुआ था। फायर ब्रिगेड ने तलाशी अभियान चलाया और 2 बच्चों के शव बरामद किए। इनमें से एक की पहचान जीएसडी निवासी सिरसपुर के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला नहाने के दौरान डूबने का लग रहा है। पुलिस 174 सीआरपीसी की के तहत कार्रवाई कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बारिश से जुड़े हादसों में 12 लोगों की मौत हो चुकी है।

'ई.वी.एम. से वोटिंग होने से दो लाख पेड़ कटने से बचे'

नई दिल्ली, 29 जून। केन्द्र सरकार का कहना है कि ई.वी.एम. ने लोकसभा चुनाव में ना केवल सटीक और निष्पक्ष परिणाम दिए हैं बल्कि इससे पर्यवारण की रक्षा भी हुई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, अगर बैलट पेपर से चुनाव कराए जाते तो कम से कम 2 लाख पेड़ काटने पड़ते। उन्होंने कहा, ईवीएम ने ना केवल विपक्ष के झूठ की पोल खोल दी बल्कि यह वृक्षों के संरक्षण के लिए भी उपयोगी साबित हो रही है। एक कार्यक्रम में पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली की बारिश के बाद पैदा हुए हालातों को लेकर आम आदमी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया।

तमिलनाडू में "नीट"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधानसभा में पारित प्रस्ताव में मांग की गई है कि केन्द्र तमिलनाडू को नीट व्यवस्था से अलग कर दे और तमिलनाडू छात्रों के 12वीं के नम्बर्स के आधार पर मैडिकल कोर्स में प्रवेश की अनुमति दे।

सदन द्वारा पारित प्रस्ताव में केन्द्र सरकार से नैशनल मैडिकल कमीशन एक्ट में संशोधन करने और राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा की व्यवस्था को रद्द करने की मांग की गई हैं क्योंकि नीट में भारी गड़बड़ियां हो रही है और कई राज्यों में इसका भारी विरोध हो रहा है और वे भी अब तमिलनाडू के नक्शे कदम पर चल रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि नीट पक्षपाती है और इससे ग्रामीण और गरीब तबके के विद्यार्थी चिकित्सा शिक्षा से वंचित हो गए हैं और इससे राज्यों का विद्यार्थियों को बारहवीं के नम्बर के आधार मैडिकल में प्रवेश देने का राज्यों का अधिकार छिन गया है।

गरीबों और ग्रामीण छात्रों के नीट के कारण मैडिकल शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाने के आग्रह पर भाजपा ने कहा कि तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा व राज्य के मुख्यमंत्री इ.के. पलानी स्वामी ने नीट पास करने वाले राज्यों के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था दी थी। भाजपा विधायक नगेन्द्रन ने वॉक् आउट करते समय कहा कि नीट जरूरी है और नीट के खिलाफ प्रस्ताव अस्वीकार्य है।

लेकिन स्टालिन का तर्क था कि नीट से ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों से चिकित्सा सेवा प्रभावित हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा नीट 2017 में अनिवार्य की गई थी और इसके खिलाफ विशाल हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था। मुख्यमंत्री के पूर्व विधानसभा में नीट के खिलाफ पारित दो प्रस्तावों की भी याद दिलाई, इसके अलावा कई राज्यों में नीट परीक्षा में गड़बड़ी व घोटाले हुए ग्रेस मार्क्स दिए गए बाद में वापस ले लिए गए। अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव भी नीट परीक्षा खत्म करने की मांग कर रहे हैं। "तमिलनाडू की आवाज़ पूरे देश की आवाज़ बन गई है।"

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908